राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 19 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-167 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर पर प्रोपेगैंडा फैलाने की तैयारी में पाकिस्तान

● यूरोप में भेजेगा दूत,सिंधु जल संधि पर भी लगा रहा जोर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बार कश्मीर मुद्दे पर प्रोपेगैंडा फैलाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ब्रिटेन और यूरोपीय देशों में भेजने की तैयारी कर रहा है, जो कश्मीर मुद्दे पर समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा। इसके तहत इन

देशों के सांसदों, नीति-निर्माताओं, थिंक-टैंक और मीडिया संगठनों से बातचीत की जाएगी। हालांकि, इसे पाकिस्तान की पीओके में चल रहे विद्रोह से ध्यान भटकाने की हताश कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस्लामाबाद यह कदम ऐसे समय में उठाने जा रहा है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा।

पहले पवार की एनसीपी का विलय, फिर एनडीए में एंट्री

● महाराष्ट्र के लिए बीजेपी का प्लान तैयार,जल्द होगा खेला

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में इन दिनों राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी एनडीए में शामिल हो सकती है। इन सब के बीच खबर आ रही है कि इसके लिए बीजेपी ने बड़ा प्लान बनाया है। सूत्रों ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेताओं का हवाला देते हुए कहा कि नेशनलिस्ट

कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार गुट का नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के साथ आधिकारिक तौर पर जुड़ने के लिए एनसीपी के दो विरोधी गुटों का फिर से एक होना जरूरी होगा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि एनसीपी को एनडीए के साथ करीबी रिश्ते बनाने पर तभी विचार किया जाएगा जब दोनों गुट अपने मतभेद सुलझा लेंगे और एक हो जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि शरद पवार या उनके खास साथियों को अकेले गठबंधन में लाने की कोई खास इच्छा नहीं है।

200 वर्षों में 68 फीसदी सिमट गई दिल्ली की यमुना

● बैराज-शहरीकरण बने मुख्य वजह,रिसर्च में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से होकर बहने वाली यमुना नदी पिछले 200 सालों में अपने मूल स्वरूप का बड़ा हिस्सा खो चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के शोधकर्ताओं द्वारा की गई रिसर्च में पता चला है कि यमुना की औसत चौड़ाई लगभग 68 प्रतिशत घट गई है, जबकि इसके डिस्चार्ज में 89 प्रतिशत की कमी आई है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि

कई बांधों, तटबंधों और नहरों के निर्माण के संचयी प्रभाव के कारण यमुना नदी का आकार इतना बढ़ गया है। जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया में प्रकाशित इस रिसर्च में दिल्ली के 50 किलोमीटर लंबे यमुना क्षेत्र में पिछले दो शताब्दियों के बदलावों का विश्लेषण किया गया। इसके लिए शोधकर्ताओं ने 1799 के ऐतिहासिक नक्शों, पुराने टोपोग्राफिक सर्वे, सैटेलाइट इमेज और नदी की चौड़ाई के आंकड़ों का उपयोग किया।

● बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,महिला की याचिका की खारिज

विवाह अवैध होने पर...

महिला को नहीं मिलेगा मेंटेनेंस का हक

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी महिला का विवाह अवैध है, तो उसे मेंटेनेंस मांगने का अधिकार नहीं मिलेगा। यह फैसला कोर्ट ने 15 हजार रुपये मेंटेनेंस की मांग से जुड़ी एक महिला की याचिका को खारिज कर सुनाया है। हालांकि कोर्ट ने महिला के नाबालिग बच्चे के एक हजार रुपये के मेंटेनेंस को कायम रखा है। कोर्ट ने कहा कि रेकॉर्ड से स्पष्ट है कि महिला पहले से विवाहित थी। उसने इस तथ्य को छिपाया था। उसने तलाक लिए बिना दूसरी शादी की थी। लिहाजा निचली अदालत ने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था,इसलिए महिला कानूनी रूप से ब्याहता पत्नी की श्रेणी में नहीं आती है। इसके कारण उसे मेंटेनेंस मांगने का हक नहीं मिल सकता। जस्टिस एमएम साठे ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर कहा कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पत्नी का अर्थ केवल वैध रूप से विवाहित महिला से है। चूंकि महिला शख्स के साथ सिर्फ तीन महीने ही साथ रही है,इसलिए वह लिव इन रिलेशन के आधार पर भी मेंटेनेंस की मांग नहीं कर सकती। मेंटेनेंस के लिए ऐसे रिलेशन में तर्कसंगत समय तक साथ रहना जरूरी है। केस से जुड़े जोड़े ने 28 जनवरी 2009 में शादी की थी। आपसी अनबन के चलते महिला मायके चली गई।

निचली अदालत का फैसला पलटा

भिवंडी मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने साल 2015 महिला को दो हजार और उसके बेटे को एक हजार मेंटेनेंस दिया था। सेशन कोर्ट ने पति की अर्जी पर महिला के मेंटेनेंस को बंद कर दिया, जबकि बच्चे के गुजारे भत्ते को बरकरार रखा। इसके बाद महिला ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत मेंटेनेंस के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। चूंकि महिला का विवाह वैध नहीं था, इसलिए कोर्ट ने महिला की याचिका को खारिज कर दिया और सेशन कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से मना कर दिया।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सरकार का ऐक्शन

अमतला वाले ऑफिस पर चला बुलडोजर, सुरक्षा बल रहे तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से बड़ी खबर आई है। टीएमसी के महासचिव अभिषेक

बनर्जी के खिलाफ बंगाल सरकार का बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। शनिवार को अमतला में बुलडोजर का इस्तेमाल करके अभिषेक बनर्जी के ऑफिस को गिराने का काम शुरू हो गया है। पूरे इलाके को पुलिस और केंद्रीय बलों ने घेर लिया है। मौके पर दमकल की गाड़ियां भी मौजूद हैं। वहीं कार्रवाई शुरू होते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लग रहे हैं। जानकारी के मुताबिक,जैसे ही अभिषेक बनर्जी के सांसद ऑफिस को तोड़ने का काम शुरू हुआ। इलाके में बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी मनाई और जय श्री राम के नारे लगाए। अमताला से बीजेपी विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि ऑफिस गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था।

पीएम का संदेश लेकर उड़ा विक्रम-1

● हाथ से 'वंदे मातरम' लिखकर भेजी थीं शुभकामनाएं ● भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च रहा सफल

450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंचा,पीएम मोदी ने बधाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट ने ही तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। इसे आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12.05 बजे लॉन्च किया गया।

विक्रम-1 में पीएम मोदी का वंदे मातरम

विक्रम-1 को हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पस ने विकसित किया है। मिशन आगमन को 450 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट में 350 किलो तक के पेलोड को स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्काईरूट एयरोस्पस के मुताबिक इस पेलोड में वह खास पोस्टकार्ड भी शामिल है, जो पीएम मोदी ने मिशन की सफलता के कामना के साथ भेजा है। लॉन्च होने से पहले पीएम के संदेश वाला वीडियो शेयर किया।

मिशन आगमन के उत्सव में लाखों शामिल

स्काईरूट एयरोस्पस के अनुसार पीएम मोदी के साथ मिशन आगमन में अनेकों हाथ से लिखे संदेश भेजे गए हैं। हाथ से लिखे इन संदेशों में स्काईरूट एयरोस्पस की टीम, इंवेस्टर, पॉलिसीमेकर और शुभचिंतकों के शुभकामना संदेश भी शामिल हैं, जो कि दुनिया भर से भेजे गए हैं। कंपनी के मुताबिक इस तरह से उसका मिशन आगमन एक उत्सव बन गया है, जिसमें लाखों लोग शामिल हैं।

भारतीय अंतरिक्ष यात्रा में ऐतिहासिक उपलब्धि

शनिवार को पीएम मोदी ने लॉन्चिंग से पहले किए गए एक एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक नई उपलब्धि।...सफल लॉन्च के लिए मेरी पूरी स्काईरूट एयरोस्पेस टीम को शुभकामनाएं। विक्रम-1 ऊंचाइयों को छूए, इतिहास बनाए और इनोवेटर्स की पीढ़ी को प्रेरित करे। मैं सभी भारतीयों विशेष रूप से अपने युवा मित्रों से अपील करता हूं कि वे इस ऐतिहासिक मिशन को फॉलो करें और स्काईरूट की टीम को सफल होने की कामना में शामिल हों।

वक्फ बोर्ड पर रोक के खिलाफ एससी पहुंची केरल की सरकार

● दाखिल की याचिका, सरकार बोली-अर्जेंट सुनें मीलार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की कांग्रेस सरकार ने केरल हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें राज्य वक्फ बोर्ड को कोई भी बड़ा फैसला लेने, कैपिटल खर्च करने या नीतिगत फैसले लेने से रोक दिया गया था। इस अपील को तत्काल सुनवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच के सामने रखा गया। सीजेआई ने मामले को सोमवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। अब इस मामले में सोमवार या मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री वीडी सतीशन हैं।

केरल के राज्य वक्फ बोर्ड के सीनियर एडवोकेट वी चितंबरेश ने इस मामले को शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने रखा। सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची इसकी सुनवाई करेंगे।

● **केरल सरकार की ओर से जल्द सुनवाई की अपील-** सीजेआई सूर्यकांत ने मामले को सोमवार/मंगलवार को लिस्ट करने पर सहमति जताई, जब इसे अर्जेंट लिस्टिंग के लिए पेश किया गया। सीनियर एडवोकेट वी चितंबरेशन ने यह मामला उठाया और कहा कि दूसरी पार्टी को बिना कोई नोटिस दिए एक अंतरिम आदेश के जरिए बोर्ड को लगभग बेकार कर दिया गया है। सीनियर वकील ने बताया कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड से जुड़े एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत दी थी। 15 जुलाई को एक अंतरिम आदेश में केरल हाई कोर्ट ने राज्य वक्फ बोर्ड को अपनी मंजूरी के बिना कोई भी बड़ा फ़ैसला लेने से रोक दिया था।

पीओके में भारी हिंसा पर भड़का संयुक्त राष्ट्र

पाकिस्तान सरकार को दी चेतावनी,कहा-हालात अच्छे नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति और आम लोगों के खिलाफ कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र का ध्यान खींचा है। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार एजेंसी ने पीओके की स्थिति पर चिंता जताई है। एजेंसी ने इलाके में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों की मौत की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। 27 जुलाई को होने वाले चुनावों से पहले पीओके में तनाव बढ़ता जा रहा है।

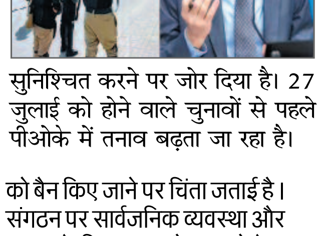

जेएएसी को बैन करना चिंताजनक

टर्क ने पीओके में प्रदर्शनों की अगुवाई कर रही जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी को बैन किए जाने पर चिंता जताई है। संगठन पर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के आरोप में पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा है।

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंच से नीचे आकर बैठे दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी। इससे पहले सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में जंतर-मंतर पहुंची थी और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का विरोध किया, जिससे वहां हंगामा हो गया। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। उनका वजन करीब 9.5 किलो कम हो गया है।

पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा

● आधी रात बिस्तर पर सांप को छोड़ा ● महिला का मेरठ में शादीशुदा वैन ड्राइवर से अफेयर था

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है। वारदात के बाद दामिनी ने प्रेमी तुषार पायला को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। दामिनी शुक्रवार सुबह 6 बजे कमरे में पहुंची और चीखने लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है। मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी टूट गई।

● **7 साल पहले लव मैरिज की,फिर परिवार से अलग रहने लगे-** अतुल कुमार जिला मुख्यालय से 30 किमी भंडोरा गांव के रहने वाले थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। पिता अजब सिंह (72) खेती-किसानी करते हैं, जबकि मां संतोष देवी (69) गृहिणी हैं। बड़े भाई कुलदीप सेना से रिटायर हैं और पत्नी-बच्चों के साथ बहसूमा में रहते हैं। दूसरे भाई मनदीप ने चार साल पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं, दामिनी ने डबल एमए और बीएड किया है। उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां हस्तिनापुर में ही छोटे बेटे के साथ रहती हैं। 7 साल पहले अतुल ने परिवार के खिलाफ जाकर दामिनी से लव मैरिज की थी। पहले वह एक कंप्यूटर कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे। चार साल पहले नौकरी छोड़कर उन्होंने कृष्ण किड्स प्ले स्कूल खोला, जिसे वह पत्नी के साथ मिलकर चलाते थे। स्कूल में नर्सरी से कक्षा 5 तक की पढ़ाई होती है और करीब 150 बच्चे पढ़ते हैं।

सांप से डसवाने से पहले कार से टक्कर भी मरवाई थी

पुलिस के मुताबिक, दो साल पहले तुषार ने अतुल के स्कूल में 10 हजार रुपए पर वैन ड्राइवर की नौकरी शुरू की। इसी दौरान उसकी दामिनी से नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। दोनों शादी करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अतुल को रास्ते से हटाने और 20 लाख रुपए की बीमा राशि हासिल करने की साजिश रची। योजना थी कि हत्या के बाद तुषार अपनी पत्नी को तलाक देगा और दोनों नई जिंदगी शुरू करेंगे। जांच में पता चला कि दामिनी पिछले एक साल से पति की हत्या की साजिश रच रही थी।

ललिता गौतम हत्याकांड के दोषी बचेंगे नहीं: योगी

● परिवार से मुलाकात की, 5 लाख की मदद,आवास देंगे ● मुख्यमंत्री गाजियाबाद में अपनी बहन के घर भी गए

गाजियाबाद (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को गाजियाबाद में ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। योगी ने वीआईपी गेस्ट हाउस में करीब आधे घंटे तक ललिता के परिवार से बात की। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। उन्होंने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद, पिता और चाचा को एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने का ऐलान किया। पुलिस अफसरों से अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली।

इससे पहले, पूर्व आईपीएस और मंत्री असीम अरुण सुबह साढ़े 9 बजे ललिता गौतम के परिवार को मेरठ से लेकर गाजियाबाद पहुंचे। मेरठ में बीए की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या हुई थी। शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था। पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब आंदोलन कहे—नेता बचाइए, संघर्ष नहीं रोकिए

(लेखक–कुमार कृष्णन)

सोनम को लिखे एक पत्र के बहाने जनांदोलनों की नैतिक राजनीति पर विमर्श

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल चुनावों, संसद और सरकारों का इतिहास नहीं है। यह उन जनांदोलनों का भी इतिहास है जिन्होंने समय–समय पर सत्ता को आईना दिखाया, समाज की चेतना को झकझोरा और लोकतंत्र को उसकी मूल भावना की याद दिलाई। चंपारण सत्याग्रह से लेकर भूदान आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, सूचना के अधिकार की लड़ाई और किसानों के आंदोलनों तक, भारत में जनसंघर्षों ने हमेशा यह साबित किया है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की नैतिक शक्ति से भी संचालित होता है। ऐसे ही संघर्षों के बीच लिखा गया जल बिरादरी का एक पत्र केवल एक अपील नहीं, बल्कि जनांदोलनों के दर्शन, नैतिकता और भविष्य पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत करता है।जलपुरुष राजेंद्र सिंह राणा और एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी. वी. द्वारा सोनम जी को संबोधित यह पत्र पहली दृष्टि में एक अनशनकारी से अनशन समाप्त करने का आग्रह प्रतीत होता है। किंतु यदि इसकी भाषा, तर्क और भाव को गहराई से पढ़ा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष को समाप्त करने का नहीं, बल्कि उसे अधिक व्यापक, अधिक लोकतांत्रिक और अधिक टिकाऊ बनाने का दस्तावेज़ है।पत्र की शुरुआत ही अत्यंत अर्थपूर्ण है। लेखक पहले अपने परिचय से नैतिक विश्वसनीयता स्थापित करते हैं। राजेंद्र सिंह को वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपना जीवन जल संरक्षण, पर्यावरण और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। वहीं राजगोपाल पी. वी. का परिचय भूमि सुधार और जनाधिकार आंदोलनों के अग्रणी नेता के रूप में दिया गया है। इसके बाद वे लिखते हैं कि वे केवल अपनी ओर से नहीं, बल्कि देश भर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन आंदोलनों की ओर से यह अपील कर रहे हैं। इस प्रकार पत्र किसी व्यक्ति की निजी राय न रहकर व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतिनिधित्व करने लगता है।पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें कहीं भी सोनम के आंदोलन की वैधता पर प्रश्न नहीं उठाया गया। इसके विपरीत, लेखक स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि उनके अनशन ने राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है। उन्होंने देश के भविष्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को करोड़ों लोगों के सामने ला खड़ा किया है। उनकी सादगी, ईमानदारी और अटूट प्रतिबद्धता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया गया है। यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष में विरोध की नैतिक वैधता को स्वीकार किए बिना संवाद संभव नहीं होता।यही इस पत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यह संघर्ष और संघर्षकर्ता दोनों का सम्मान करता है। यह न तो आंदोलन को कमजोर करता है और न ही अनशनकारी के संकल्प को कमतर बताता है। बल्कि यह कहता है कि संघर्ष इतना महत्वपूर्ण है कि उसके सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।पत्र का केंद्रीय तर्क एक वाक्य में समाहित है—ऐसा आंदोलन केवल एक व्यक्ति के बलिदान पर निर्भर नहीं रह सकता। यह केवल एक सलाह नहीं, बल्कि आधुनिक जनांदोलनों के लिए एक गहरी राजनीतिक चेतावनी भी है। भारतीय समाज ने अनेक बार देखा है कि जब आंदोलन पूरी तरह किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर आधारित हो जाता है, तब उसकी सफलता और असफलता भी उसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ जाती है। इससे आंदोलन की सामूहिक शक्ति सीमित हो जाती है।इनलोगों का आग्रह है कि किसी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का भार अकेले एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं होना चाहिए। यदि हजारों लोग उस मुद्दे से सहमत हैं, यदि समाज उस संघर्ष को अपना मानता है, तो उसके लिए जिम्मेदारी भी हजारों लोगों को उठानी चाहिए। यही कारण है कि पत्र में रिले अनशन और अन्य शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीकों से संघर्ष जारी रखने का सुझाव दिया गया है। यह सुझाव केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भी है। यह आंदोलन को व्यक्ति–केंद्रित से समाज–केंद्रित बनाने का प्रस्ताव है।पत्र का एक और उल्लेखनीय पक्ष सरकार के प्रति उसका संतुलित दृष्टिकोण है। लेखक स्वीकार करते हैं कि सोनम का मानना है कि अपील सरकार से की जानी चाहिए, उनसे नहीं। वे इस तर्क को अस्वीकार नहीं करते। बल्कि बताते हैं कि पिछले सप्ताह उन्होंने उन सभी लोगों से संवाद करने का प्रयास किया जो सरकार को जिम्मेदारी से निर्णय लेने के लिए प्रभावित कर सकते थे, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह स्वीकारोक्ति पत्र को और अधिक विश्वसनीय बनाती है। इससे स्पष्ट होता है कि अनशन समाप्त करने की अपील सरकार की जवाबदेही को कम करने के लिए नहीं, बल्कि आंदोलन की ऊर्जा को बचाने के लिए की जा रही है।भारतीय लोकतंत्र में यह प्रश्न हमेशा महत्वपूर्ण रहा है कि जब सरकार संवाद से इंकार कर दे तो नागरिक क्या करें? गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग चुना, जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया। इन सभी आंदोलनों में नैतिक दबाव सबसे बड़ा हथियार था। किंतु इन आंदोलनों ने यह भी सिखाया कि संघर्ष किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता से बड़ा होना चाहिए। यदि आंदोलन का अस्तित्व केवल एक व्यक्ति के उपवास पर निर्भर रह जाए तो उसकी स्थिरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।पत्र का सबसे संवेदनशील हिस्सा वह है जहाँ लेखक कहते हैं कि आज उनकी सबसे बड़ी चिंता सोनम का स्वास्थ्य है। यह केवल भावुकता नहीं है। इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक समझ है। लेखक लिखते हैं कि देश को उनकी आवाज़, उनके नैतिक नेतृत्व और भविष्य के संघर्षों में उनकी सक्रिय उपस्थिति की आवश्यकता है। इसका आशय यह है कि किसी आंदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसका नैतिक नेतृत्व होता है। यदि वही नेतृत्व असमय संकट में पड़ जाए तो समाज एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक खो सकता है।यह विचार गांधीवादी राजनीति की मूल अवधारणा से जुड़ता है। गांधी ने व्यक्तिगत तपस्या को कभी आत्मविनाश का साधन नहीं बनाया। उनका उद्देश्य हमेशा समाज की चेतना को जगाना था। जब उद्देश्य पूरा हो जाता या आंदोलन को नए चरण में ले जाने की आवश्यकता होती, तब रणनीति भी बदलती थी। जल बिरादरी का यह पत्र उसी परंपरा की याद दिलाता है। इसमें त्याग का सम्मान है, लेकिन जीवन की रक्षा को भी उतना ही आवश्यक माना गया है।पत्र का अंतिम संदेश सबसे अधिक प्रभावशाली है। दोनों ने लिखा है हैं कि यदि सोनम अनशन समाप्त कर आंदोलन को जनता के हाथों सौंपते हैं, तो वे संघर्ष समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि उसका विस्तार करेंगे। यह वाक्य भारतीय जनांदोलनों की आत्मा को व्यक्त करता है। किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष की अंतिम सफलता इस बात में नहीं होती कि एक व्यक्ति कितनी पीड़ा सह सका, बल्कि इस बात में होती है कि कितने लोग उस संघर्ष को अपना मानने लगे।आज के समय में जब सोशल मीडिया और व्यक्तित्व–आधारित राजनीति के कारण अनेक आंदोलन किसी एक चेहरे तक सीमित हो जाते हैं, यह पत्र सामूहिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देता है। लोकतंत्र में कोई भी आंदोलन तभी स्थायी बन सकता है जब वह व्यक्ति–पूजा से ऊपर उठकर जनभागीदारी का आंदोलन बने। संघर्ष का केंद्र किसी एक व्यक्ति का शरीर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना होनी चाहिए।यह पत्र हमें यह भी सिखाता है कि नेतृत्व का अर्थ केवल सबसे आगे खड़ा होना नहीं है। कभी–कभी नेतृत्व का सबसे बड़ा दायित्व स्वयं को बचाकर रखना भी होता है, ताकि भविष्य के संघर्षों में समाज का मार्गदर्शन किया जा सके। यह विचार भारतीय राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षाकृत कम चर्चा का विषय रहा है, जबकि इसकी प्रासंगिकता अत्यंत व्यापक है।अंततः यह पत्र केवल सोनम के नाम लिखी गई अपील नहीं है। यह हर उस जनांदोलन के लिए एक संदेश है जो न्याय, पर्यावरण, भूमि, जल, जंगल, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। यह हमें याद दिलाता है कि किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक आधार, उसकी सामूहिकता और उसकी लोकतांत्रिक भावना होती है। यदि संघर्ष एक व्यक्ति से निकलकर समाज की साझा जिम्मेदारी बन जाए, तो उसकी सफलता की संभावना कहीं अधिक बढ़ जाती है।इस दृष्टि से जल बिरादरी का यह पत्र समकालीन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और नैतिक दस्तावेज़ है। यह बताता है कि अनशन समाप्त करना हमेशा संघर्ष समाप्त करना नहीं होता। कई बार यह संघर्ष को एक नए चरण में ले जाने, उसे व्यापक समाज तक पहुँचाने और उसे अधिक लोकतांत्रिक बनाने का साहसिक निर्णय भी होता है। यही इस पत्र का सबसे बड़ा संदेश है और शायद यही किसी भी जनांदोलन की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

यह केवल एक सलाह नहीं, बल्कि आधुनिक जनांदोलनों के लिए एक गहरी राजनीतिक चेतावनी भी है। भारतीय समाज ने अनेक बार देखा है कि जब आंदोलन पूरी तरह किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर आधारित हो जाता है, तब उसकी सफलता और असफलता भी उसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ जाती है। इससे आंदोलन की सामूहिक शक्ति सीमित हो जाती है।इनलोगों का आग्रह है कि किसी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का भार अकेले एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं होना चाहिए।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ–सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट– 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10–कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट–जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू–राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड–गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल–फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

(लेखक– विनोद कुमार सिंह तकियावाला)

– जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल,डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन –भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं। स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी। हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है। यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी,मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है। हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है। जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है। आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है। रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है। बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है। भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है,जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन,समर्पित माल गलियारे (ष्ठद्गस्रद्बष्ठड्डह्लद्गस्र स्नह्म्द्गद्बद्दद्ध ष्टश्ह्म्ह्म्द्बस्रश्ह्म्),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है। अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है। इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता;केवल जलवाष्प निकलती है। यही कारण है कि इसे जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है। यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास,निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइज़र प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है। यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है। यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है। हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है। इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी। साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी। यह उपलब्धि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है। जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है। इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा,हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं। हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी दृष्टि का नवीनतम अध्याय है। इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा। हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख–दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे–धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है।

संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी–जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक–एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक–एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे–ऐसे हजार–हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे–छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो– 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले–कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं।

असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी–उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे–मांगे भी नहीं मिलता।

विचार मंथन

सोनम वांगचुक सरकार की निगरानी में, भूत बनकर लौटने की चेतावनी

(लेखक – सनत जैन)

शिक्षामित्र और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सरकार ने शनिवार की सुबह जंतर मंतर के धरना स्थल से सरकारी निगरानी में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है, कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद चलो मार्च का आह्वान किया था। सोनम वांगचुक ने यह भी कहा था, कि यदि लोग उनका साथ नहीं देंगे तो वह मरने के बाद भूत बनकर जो लड़ाई उन्होंने शुरू की है उसको लड़ने के लिए वापस आएंगे। इसके बाद से दिल्ली के जंतर मंतर में सरगर्मी बढ़ी। 20 जुलाई से मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। सरकार ने गंभीरता को समझते हुए जंतर मंतर से आंदोलन खत्म कराने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर को रातों–रात बदल दिया गया है। शिक्षा मंत्री के स्तीफे और पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में सोनम वांगचुक का अनशन खत्म करने के लिए सभी विपक्षी दलों और फिल्मी जगत की हस्तियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर जिस तरह का समर्थन दिया उससे सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। मानसून सत्र के दौरान इस तरह के आंदोलन जिसमें आंदोलनकारी संसद में प्रदर्शन करने की मांग पर अड़ गए हैं, विपक्ष भी इस मुद्दे पर एक साथ आ गया है, जिसके कारण सरकार की चिंता बहुत बढ़ गई है। सरकार ने जिस तरह से सोनम वांगचुक को धरना स्थल से हटाया है, उसकी आंदोलनकारियों के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कल देहरादून में छात्रों के साथ संवाद किया। यह कार्यक्रम भी पूरी तरह से सफल रहा। भारी बारिश के बीच लाखों की संख्या में छात्र वहां पहुंचे। उन्होंने अपने दुख– दर्द को सुनाया। कोटा में भी राहुल गांधी के छात्र संवाद को काफी सफल माना गया था। जेन–जी के बीच में जिस तरह से राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही है, उससे सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक है। यह भी कहा जा रहा है, राहुल गांधी से इस मुद्दे को छीनने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी का जो आंदोलन जंतर मंतर में शुरू कराया गया था उसको वह सफलता नहीं मिली जिस सफलता की आशा सरकार कर रही थी। कॉकरोच जनता पार्टी ने भी सरकार के बजाय जिस तरह से विपक्ष को निशाने पर लिया था उसके कारण कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन फ्लॉप होने की दिशा में बढ़ रहा था। इसी बीच कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने सोनम वांगचुक को समर्थन देकर एक ऐसी चाल चली जिससे कॉकरोच पार्टी निशाने पर आ गई। अब सरकार ने जब सोनम वांगचुक को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को आधार बनाकर अपनी निगरानी में जबरिया ले लिया है, इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो सकती है। 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी शुरू होने जा रहा है, जिसने सरकार की परेशानी को और बढ़ा दिया है। शनिवार को जंतर मंतर में एक बार फिर भीड़ बढ़ने लगी। 20 जुलाई को संसद मार्च की तैयारी में आंदोलनकारी फिर एकजुट होने लगे हैं। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा और पेपर लीक मामले में जिस तरह से युवा एकजुट हो रहे हैं, कई राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और आंदोलन हो रहे हैं। सरकार ने अभी तक आंदोलनकारियो से कोई बात नहीं की है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा को लेकर भी सरकार ने चुप्पी साध रखी है। ऐसी स्थिति में जेन–जी युवा उद्वेलित होकर आक्रामक हो रहे हैं। सरकार को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है।

मानसून सत्र में सरकार परिसीमन बिल को हर हालत में पास करना चाहती है। पिछले दो महीने से संसद में दो तिहाई बहुमत सरकार के पास हो इसके लिए बड़े पैमाने पर कई राज्यों के सांसदों को उनकी पार्टी से तोड़कर एनडीए के पक्ष में लाया गया है। लेकिन इसमें दल–बदल कानून भी बड़ी बाधा बन रहा है। इसी बीच ईरान– अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी गैस एवं खाद इत्यादि की चुनौतियां सरकार के लिए बढ़ रही हैं। ई–20 पेट्रोल को लेकर भी लोगों में नाराजी देखने को मिल रही है। राम मंदिर के दान और चढ़ावा चोरी को लेकर भी सरकार के ऊपर हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। सरकार समझ नहीं पा रही है कि एक साथ इतनी सारी समस्याओं और हमलो का मुकाबला वह किस तरीके से करे। सोनम वांगचुक ने यह कहकर युवाओं को उद्वलित कर दिया है कि वह 20 तारीख तक जिंदा रहेंगे, यदि मर भी गए तो वह भूत बनकर आंदोलनकारियों के साथ होंगे। राजधानी दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान सरकार को जिस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने अपने सभी दिग्गजों को इस समस्या से निपटने के लिए जिम्मेदारी दी है। आगे किस तरह के हालात होंगे यह कहना मुश्किल है।

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने के मुतो बिक 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब भारत के भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जो मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार में 7.26 अरब डॉलर की उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी को पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले यह रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर पर था। हालांकि, संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने और आरबीआई के डॉलर बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करने से भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट आई थी। अब लगातार दूसरे सप्ताह की वृद्धि मौजूदा दबावों से कुछ राहत का संकेत दे रही है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 93 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.51 अरब डॉलर हो गईं। इसी अवधि में देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 105.22 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विशेष आहरण अधिकार 30 लाख डॉलर बढ़कर 18.63 अरब डॉलर तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित कोष भी 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर दर्ज किया गया है।

इस हफ्ते सोना दो हजार और चांदी में चार हजार रुपए की गिरावट रही

24 कैरेट सोना 1.41 लाख, चांदी 2.15 लाख प्रति किलो के करीब

नई दिल्ली।

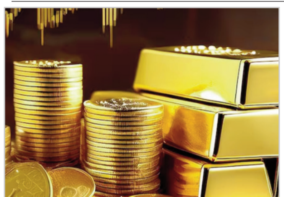

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। भू-राजनीतिक तनाव के बीच 24 कैरेट सोना 2,200 रुपए से अधिक और चांदी 4,900 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 24 कैरेट सोने का दाम 2,209 रुपए कम होकर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो पहले 1,43,368 रुपए था। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,29,302 रुपए और 18 कैरेट सोना 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते सोने का न्यूनतम दाम 17 जुलाई की शाम को 1,41,159 रुपए देखा गया, जबकि उच्चतम दाम 13 जुलाई को सुबह 1,42,289 रुपए रहा। सोने के साथ चांदी में भी 4,917 रुपए की तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी का दाम 2,20,390 रुपए प्रति किलो से गिरकर 2,15,474 रुपए प्रति किलो हो गया। चांदी का उच्चतम दाम 15 जुलाई को सुबह 2,20,391 रुपए और न्यूनतम दाम 17 जुलाई को शाम को 2,15,474 रुपए प्रति किलो रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस और चांदी 57 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है। एक-दूसरे पर लगातार हमलों के चलते वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ी है, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव आया है।

आरबीआई ने छह कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय मानदंडों का पालन न करने के कारण छह वित्तीय और गैर-वित्तीय कंपनियों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों में प्रमुख रूप से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुथूट फाइनेंस और अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज शामिल हैं। यह कार्रवाई केंद्रीय बैंक द्वारा जारी अधिसूचना के बाद की गई है, जिसमें नियमों के उल्लंघन की बात कही गई है। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपए, अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर सर्वाधिक 6.20 लाख रुपए, सत्य माइक्रोकैपिटल और पैन एमामी कॉस्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपए, तथा धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि मुथूट फाइनेंस पर यह जुर्माना खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था लागू करने में विफलता और संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत सॉफ्टवेयर का उपयोग न करने के कारण लगाया गया है।

रिलायंस के ओ2सी का बंपर मुनाफा, राजस्व 30 फीसदी बढ़ा

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और बेहतर मार्जिन रहे प्रमुख कारण

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के ऑयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार ने जून 2026 तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत मार्जिन के दम पर कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 2,01,803 करोड़ रुपये और एबिटा 17 फीसदी बढ़कर 17,010 करोड़ रुपये हो गया। कच्चे तेल की कीमतें, जो होरमुज स्ट्रेट बंद होने से बढ़कर 104.5 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, इस राजस्व वृद्धि का मुख्य कारण रहीं। बेहतर ट्रांसपोर्टेशन फ्यूल क्रैक और डाउनस्ट्रीम मार्जिन ने एबिटा में बढ़ोतरी में योगदान दिया। चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वैश्विक बाधाओं और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद इसे शानदार प्रदर्शन बताया। हालांकि, महंगे फीडस्टॉक की खरीद, निर्धारित रखरखाव और बढ़ती माल ढुलाई व बीमा लागत ने मार्जिन पर दबाव डाला। घरेलू बाजार में, आरआईएल ने ईंधन कीमतें स्थिर रखीं और एलपीजी उत्पादन बढ़ाया, जिससे बिक्री में नुकसान हुआ। डीजल, मोटर स्पिरिट (एमएस) और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की पुनः बहाली ने भी मार्जिन को प्रभावित किया।

भू-राजनीतिक तनाव से बेअसर रहा भारतीय शेयर बाजार

हफ्ते की शुरुआत कमजोर, पर अंत में जोरदार उछाल!

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण सप्ताह की शुरुआत भले ही कमजोर रही हो, लेकिन निवेशकों के दृढ़ विश्वास और कुछ सकारात्मक घरेलू संकेतों ने बाजार को अंततः नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित शक्ति को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निराशाजनक रही, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण सेंसेक्स 650 से अधिक अंक लुढ़का और निफ्टी 24,000 के महत्वपूर्ण स्तर का परीक्षण करता दिखा। हालांकि, आईटी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से बाजार ने दिन के अंत तक लगभग सपाट स्तर पर वापसी कर ली।

मंगलवार को फिर से भू-राजनीतिक चिंताओं, विदेशी कोषों की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को लाल निशान पर बंद होने को मजबूर किया। बुधवार को अमेरिकी खुदरा मुद्रास्फीति की धीमी रफ्तार के अनुमान ने एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बनाया, जिससे भारतीय बाजार भी हरे निशान पर खुले और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष के बावजूद भारतीय बाजार ने कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए मजबूती दिखाई।

हालांकि, एक्सपायरी के दिन और ईरान-अमेरिका युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण बाजार सपाट बंद हुए, लेकिन यह भारतीय बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का प्रमाण था। सप्ताह का अंत धमाकेदार रहा। शुक्रवार को आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी और टेक महिंद्रा के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को नई ऊर्जा दी। जब अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे वैश्विक बाजार भारी गिरावट का सामना कर रहे थे, तब भारतीय निवेशकों ने घरेलू बाजार में चौतरफा खरीदारी की। इसके परिणामस्वरूप, सेंसेक्स 964.58 अंक की जोरदार तेजी के साथ 78,151.45 पर और निफ्टी 272.75 अंक चढ़कर 24,345.50 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

डीमैट म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर भी एसडब्ल्यू और एसटीपी संभव, सेबी ने दी मंजूरी

निवेशकों को मिलेगी बड़ी सहूलियत, दो चरणों में 2027 तक पूरी तरह लागू होगी सुविधा

- मुंबई।

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब डीमैट खातों में रखी म्युचुअल फंड यूनिट्स पर भी सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह कदम उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो अपनी म्युचुअल फंड होल्डिंग को डीमैट फॉर्म में रखते हैं और अब तक इन स्वचालित विकल्पों का लाभ नहीं उठा पा रहे थे। सेबी ने बताया कि यह नई सुविधा दो चरणों में लागू की जाएगी। पहले चरण में, 31 जनवरी, 2027 तक यूनिट-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी के लिए पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी, जहाँ निवेशक निश्चित संख्या में यूनिटों को रिडीम या ट्रांसफर कर सकेंगे। दूसरा चरण 30 अप्रैल, 2027 तक लागू होगा, जिसमें यह सुविधा रकम-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी तक बढ़ाई जाएगी, जिससे निवेशक नियमित अंतराल पर तय राशि निकाल या ट्रांसफर कर पाएंगे। नियामक ने डिपॉजिटरीज को 31 अक्टूबर तक आवश्यक परिचालन व्यवस्था स्थापित करने और सिस्टम में बदलाव करने का निर्देश दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब ऑनलाइन म्युचुअल फंड वितरक, जैसे ग्रो, निवेशकों को स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट से डीमैट होल्डिंग की ओर तेजी से प्रेरित कर रहे हैं।

एसडब्ल्यूपी निवेशकों को नियमित आय प्राप्त करने में मदद करता है, जबकि एसटीपी एक स्कीम से दूसरी में व्यवस्थित निवेश ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। इस कदम से डीमैट होल्डिंग वाले निवेशकों को भी वही लचीलापन और सुविधा मिल सकेगी जो अब तक केवल एसओए धारकों को मिलती थी।

फीफा फाइनल से अर्थव्यवस्था को बूस्ट, विज्ञापन दरों में दस गुना उछाल

रेस्तरां, पब, मल्टीप्लेक्स और फूड डिलिवरी कंपनियों के लिए में कारोबार का सुनहरा अवसर

मुंबई।

पिछले लगभग 39 दिनों से दुनिया भर के खेल प्रेमियों पर छाया फीफा विश्व कप फुटबॉल का खुमार अब अपने चरम पर पहुंच गया है। रविवार देर रात अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच होने वाला फाइनल मुकाबला केवल मैदान पर रोमांच ही नहीं बढ़ाएगा, बल्कि मैदान से बाहर भी इसने अर्थव्यवस्था को एक बड़ा बूस्ट दिया है। रेस्तरां, पब, मल्टीप्लेक्स, फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म और क्विक कॉमर्स कंपनियां इस ऐतिहासिक मैच से ताबड़तोड़ कारोबार की उम्मीद कर रही हैं। कारोबार में भारी इजाफे की संभावना फुटबॉल प्रेमी इस महामुकाबले को बड़े पर्दे पर या घर पर ही जश्न मनाते हुए देखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसी उम्मीद में, विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसाय इस बढ़ी हुई मांग का फायदा उठाने की तैयारी में जुट गए हैं। सेमी-फाइनल में अच्छी भीड़ देखने के बाद मल्टीप्लेक्स संचालक फाइनल के लिए रिकॉर्ड दर्शक संख्या की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं रेस्तरां और बार अपने ग्राहकों की संख्या में भारी इजाफे के लिए कमर कस चुके हैं, खासकर उन शहरों में जहां खुलने के समय में ढील दी गई है। क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म भी इस देर रात के उत्साह को भुनाने के लिए ग्राहकों को भारी छूट और आकर्षक सौगातें दे रहे हैं। विज्ञापन दरों में उछाल और क्षेत्रीय लाभ इस बढ़े हुए उत्साह का असर विज्ञापन पर होने वाले खर्च में भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है। उद्योग सूत्रों के अनुसार फाइनल के लिए विज्ञापन की दरें टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों के दौरान 10-सेकंड के स्पॉट के लिए 2.5 लाख रुपये से बढ़कर दस गुना 25 लाख रुपये तक पहुंच गई हैं। झ

हालांकि, ये दरें अभी भी क्रिकेट विश्व कप के शुरुआती मैचों से कम हैं। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) को उम्मीद है कि फीफा विश्व कप फाइनल रेस्तरां को बेहतरीन कारोबार का मौका देगा। हैदराबाद और बेंगलुरु को सर्वाधिक फायदा होने की संभावना है, क्योंकि इन राज्यों में रेस्तरां और पब के खुलने का समय बढ़ा दिया गया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड ने 5 साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

एकमुश्त निवेश और एसआईपी दोनों में बंपर मुनाफा; जानें क्या है इस स्कीम की खास रणनीति

ICICI PRUDENTIAL MUTUAL FUND

नई दिल्ली।

जो निवेशक बिना अधिक जोखिम उठाए अपने पैसों को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है। एक विश्लेषण के अनुसार, इस स्कीम ने पिछले 5 साल के दौरान (जुलाई 2021 से जून 2026 तक) 14 फीसदी तक का सालाना चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है, जिससे निवेशकों का पैसा लगभग दोगुना हो जाता है। यह फंड लम्पसम और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) दोनों तरीकों से शानदार रिटर्न देने में सक्षम रहा है।यह स्कीम लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में एकसाथ निवेश करती है, जिससे जोखिम को संतुलित रखते हुए बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सके। आंकड़ों के मुताबिक यदि 17 जुलाई, 2021 को इस स्कीम में 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश किया गया होता, तो 30 जून, 2026 तक उसकी कीमत बढ़कर करीब 19.61 लाख रुपये हो जाती, जो 14.55 फीसदी का चक्रवृद्धि रिटर्न दर्शाता है। यह स्कीम के बेंचमार्क के 11.88 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है। एसआईपी निवेशकों के लिए भी यह फंड काफी फायदेमंद साबित हुआ है। स्कीम शुरू होने के बाद से यदि हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी 30 जून, 2026 तक की गई होती, तो कुल 6 लाख रुपये के निवेश पर 8.47 लाख रुपये मिलते। यह 13.83 फीसदी के मजबूत सीएजीआर को दर्शाता है, जबकि इसके बेंचमार्क ने 10.43 फीसदी का रिटर्न दिया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के एक अधिकारी के अनुसार, स्कीम का उद्देश्य ऐसे पोर्टफोलियो बनाना है जो बाजार में गिरावट के दौरान भी तेजी से रिकवर कर सकें। यह ग्रोथ से वैल्यू बनती है के सिद्धांत पर काम करती है, जिसका फोकस लंबी अवधि की वृद्धि क्षमता वाले व्यवसायों में निवेश पर रहता है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर शक्कर, थोक भाव 5000 के पार

भोपाल।

मीठे का कारोबार अब कड़वा होता जा रहा है, क्योंकि शक्कर के थोक दाम पहली बार 4800-4900 रुपए प्रति क्विंटल पार कर 5000 रुपए तक पहुंचने की आशंका है। खुदरा में यह 5100-5200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। यह तेजी मानसून की अनिश्चितता और बढ़ती मांग का सीधा परिणाम है। बीते एक पखवाड़े में शक्कर 300 से 500 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई है। भोपाल शक्कर व्यापारी एसोसिएशन के अनुसार पर्याप्त मांग और मानसून की बेरुखी ने कारोबार को तेज किया है। मजबूत मांग और कमजोर आपूर्ति भी बाजार को सपोर्ट कर रही है। ब्रोकरों तथा व्यापारियों का कहना है कि अलनीनो प्रभाव और ब्राजील, थाईलैंड जैसे प्रमुख उत्पादक देशों में भी दाम बढ़ने से इसका असर भारतीय बाजारों पर स्पष्ट दिख रहा है।

बारिश के दिनों में बाइक या स्कूटर को बेहतर स्थिति में रखने बरते सावधानी

नई दिल्ली।

दो पहिया वाहनों में बरसात के मौसम में सड़कों पर जलभराव और अधिक नमी ब्रेक की क्षमता कम करने, चेन में जंग लगने, बैटरी की समस्या और इंजन में खराबी जैसी दिक्कतें आ सकती है। पूरे मानसून के दौरान अपनी बाइक या स्कूटर को बेहतर स्थिति में रखने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां अपनाना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले, टायरों की स्थिति की नियमित जांच करें, घिसे हुए टायरों को तुरंत बदल देना चाहिए और टायरों में निर्धारित मात्रा में हवा बनाए रखना सुरक्षित सफर के लिए जरूरी है, क्योंकि बरसात में सड़कें अधिक फिसलन भरी होती हैं। ब्रेक की कार्यक्षमता पर भी विशेष ध्यान दें, यदि ब्रेक लगाने पर किसी प्रकार की आवाज सुनाई दे या ब्रेक सामान्य से कमजोर महसूस हों तो तुरंत उनकी जांच करानी चाहिए। बाइक की चेन को जंग से बचाने के लिए उसकी नियमित सफाई और चिकनाई करना लाभदायक रहता है। अपने वाहन को लंबे समय तक बारिश में खुले स्थान पर न छोड़ें, और यदि संभव न हो तो अच्छे गुणवत्ता वाले जलरोधी आवरण का उपयोग करें। नमी और धूल के कारण वायु शोधक जल्दी गंदा हो सकता है, इसलिए नियमित अंतराल पर इसकी सफाई कराएं। बैटरी के जोड़ और विद्युत प्रणाली की जांच करते रहें, और जलभराव वाली सड़कों पर बाइक या स्कूटर चलाने से बचें, क्योंकि अधिक पानी में इंजन में पानी जाने का खतरा रहता है। यदि वाहन पानी में बंद हो जाए तो बार-बार चालू करने का प्रयास न करें। बारिश के बाद कीचड़ और गंदे पानी को हटाने के लिए वाहन को साफ पानी से धोकर अच्छी तरह सुखाएं। सफर के दौरान वर्षा से बचाव का वस्त्र, एंटी-फॉग हेलमेट शीशा और पंचर सुधारने का सामान हमेशा साथ रखें। सुरक्षित ड्राइविंग के लिए नियंत्रित गति बनाए रखें, आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाएं और अचानक ब्रेक लगाने से बचें।

इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वीएक्स2 प्लस का नया संस्करण पेश

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में हीरो विडा ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वीएक्स2 प्लस का एक नया संस्करण पेश किया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर का यह नया मॉडल, पहले से उपलब्ध 3.4 किलोवाट-घंटा संस्करण की तुलना में काफी अधिक ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। नए विडा वीएक्स2 प्लस की एक्स-शोरूम कीमत नई दिल्ली में 1.44 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो इसे लंबी दूरी तय करने वाले ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। इस नए संस्करण में दो हटाई जा सकने वाली 2.2 किलोवाट-घंटा बैटरियां दी गई हैं, जिनकी कुल क्षमता 4.4 किलोवाट-घंटा है। कंपनी का दावा है कि यह ईवी स्कूटर एक बार पूर्ण चार्ज होने पर 187 किलोमीटर की आईडीसी प्रमाणित रेंज प्रदान कर सकता है, जो इसके मौजूदा छोटे बैटरी पैक वाले मॉडल की 146 किलोमीटर की रेंज से काफी बेहतर है। चार्जिंग के लिए, इसके साथ 1 किलोवाट क्षमता वाला पोर्टेबल चार्जर मिलता है, जिससे बैटरी को शून्य से 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में लगभग 3 घंटे 17 मिनट और पूर्ण चार्ज होने में करीब 5 घंटे 8 मिनट का समय लगता है। डीसी फास्ट चार्जिंग की सुविधा का उपयोग करने पर, बैटरी केवल 65 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है, और हीरो के 6,000 से अधिक फास्ट चार्जिंग स्टेशन देशभर में उपलब्ध हैं।

वीएक्स2 प्लस में पहले की तरह 6 किलोवाट की मोटर दी गई है, जो 26 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करती है और इसकी अधिकतम गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा है।

इसमें ईको, राइड और स्पोर्ट जैसे तीन राइडिंग मोड के साथ-साथ ओवरटेकिंग के लिए बूस्ट सुविधा भी मिलती है। स्कूटर में 4.3 इंच की टीएफटी स्क्रीन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और मोड़-दर-मोड़ दिशा-निर्देशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी शामिल हैं।

एआई से डरे नहीं युवा, भारतीय आईटी को मिलेंगे नए अवसर- आनंद महिंद्रा

भारत को उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई का निर्माता बनना होगा

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टेक महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) को लेकर भारतीय आईटी सेवा उद्योग में व्याप्त आशंकाओं को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि एआई इस क्षेत्र की भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि समय के साथ इसे और महत्वपूर्ण बनाएगा। युवाओं को एआई से घबराने के बजाय तालमेल बैठाने की सलाह दी गई है। टेक महिंद्रा की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में आनंद महिंद्रा ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में एआई रोजगार के कई नए अवसर पैदा करेगा और मौजूदा नौकरियों को बेहतर बनाएगा। उन्होंने जोर दिया कि भारत केवल बाहर विकसित प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई के क्षेत्र में निर्माता और आकार देने वाला भी बनना होगा। परम सुपरकंप्यूटर का उदाहरण देते हुए उन्होंने स्वदेशी नवाचार और संप्रभु एआई के विकास में घरेलू क्षमता व आत्मनिर्भरता पर बल दिया।

जून में महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी की कुल 31 यूनिट बिकीं

नईदिल्ली।

महिंद्रा की एक्सयूवी 400 ईवी को भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में जून 2026 में बड़ा झटका लगा है। बिक्री के जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने इस मॉडल की केवल 31 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो जून 2025 में बेची गई 231 इकाइयों की तुलना में लगभग 87 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्शाती है। इस वजह से कंपनी के लिए एक्सयूवी 400 ईवी की कम बिक्री चिंता का विषय बन गई है। एक्सयूवी 400 ईवी का डिजाइन आधुनिक और आकर्षक है, जिसमें बंद ग्रिल और महिंद्रा का तांबे जैसी आभा वाला प्रतीक चिन्ह इसे अलग पहचान देता है। इसके केबिन में 10.25 इंच का स्पर्श आधारित सूचना एवं मनोरंजन तंत्र, पूर्णतः डिजिटल चालक सूचना पटल, बिना तार के एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले के साथ-साथ बिना तार का मोबाइल चार्जर जैसी कई प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी दो बैटरी विकल्पों में आती है- एक 34.5 किलोवाट-घंटा और दूसरी 39.4 किलोवाट-घंटा क्षमता के साथ। कंपनी के अनुसार, बड़ा बैटरी पैक एक बार चार्ज करने पर 456 किलोमीटर तक की आईडीसी प्रमाणित रेंज प्रदान करता है, जबकि छोटा पैक 375 किलोमीटर तक की रेंज देता है। यह ईवी कार 8.3 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और लगभग 50 मिनट में शून्य से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी गुकेश को फिरोजा ने हराया

दो जीत के साथ शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई । चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 शतरंज प्रतियोगिता के दूसरे दौर में फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को 69 चाल तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ फिरोजा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए दो अंकों के साथ प्रतियोगिता में एकल बढ़त हासिल कर ली। पहले दौर में काले मोहरों से भारतीय ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश को मात देने वाले अलीरेजा फिरोजा ने दूसरे दौर में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लंबे समय तक कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंततः उन्हें 69 चालों के बाद हार का सामना करना पड़ा। इस परिणाम ने टूर्नामेंट की अंक तालिका को रोचक बना दिया है। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संतुलित प्रदर्शन किया। ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश, अर्जुन एरिगेसी और निहाल सरीन ने अपने से अधिक रेटिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले ड्रॉ कर महत्वपूर्ण आधा-आधा अंक हासिल किया। इन परिणामों से भारतीय खिलाड़ियों की आगे की चुनौती बरकरार है।

तीसरे वनडे में यह इंग्लिश बल्लेबाज बन सकता है भारत के लिए बड़ा खतरा, लॉर्ड्स में दमदार है रिकॉर्ड

लंदन।

भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाना है। तीन मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमें सीरीज को अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। हालांकि, तीसरे वनडे में जो रूट भारतीय टीम के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। रूट को लॉर्ड्स का मैदान खूब रास आता है। इस ग्राउंड पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज ने 50 ओवर के फॉर्मेट में कुल 11 पारियां खेली हैं और इस दौरान उन्होंने 46 की औसत और 80 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 466 रन बनाए हैं। रूट लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर काबिज हैं। इस मैदान पर वह एक शतक और 3 अर्धशतक लगा चुके हैं। रूट भारत के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं। पहले वनडे मुकाबले में रूट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रनों की नाबाद पारी खेली थी। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया था। वहीं, दूसरे वनडे मैच में भी रूट बेहतरीन लय में दिखाई दिए थे और उन्होंने मैच जिताने वाली पारी खेली थी। अनुभवी बल्लेबाज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 133 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए थे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 9 चौके लगाए थे और वह इंग्लैंड को जीत दिलाकर लौटे थे।

भारतीय गेंदबाज रूट को इस वनडे सीरीज में अब तक आउट नहीं कर सके हैं। इंग्लैंड टीम यही उम्मीद करेगी कि रूट अपनी इस दमदार फॉर्म को लॉर्ड्स में भी बरकरार रखने में सफल रहें। दूसरे वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की पूरी टीम 233 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी, जिसके बाद इंग्लैंड ने लक्ष्य को 44.1 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। वहीं, सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की पूरी टीम 258 रन बनाकर सिमट गई थी और भारतीय टीम ने आसानी से 4 विकेट खोकर 259 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया था।

पीवी सिंधु ने खोले जापान ओपन फाइनल में पहुंचने के राज

नई दिल्ली ।

भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने शनिवार को जापान ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में पहुंचने का श्रेय अपने कोच से मिले निर्देशों, अपने धैर्य और खेल के प्रति पूर्ण एकाग्रता को दिया। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की चेन युफेई को हराकर जापान ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिमनैजियम में सिंधु 21-19, 15-10 से आगे चल रही थीं, तभी पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई को हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। युफेई के रिटायर होते हीं सिंधु अपने पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 फाइनल और दिसंबर 2024 के बाद अपने पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल मुकाबले में पहुंच गईं। मैच के बाद सिंधु ने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ शुरुआती रैली से ही एकाग्रता बनाए रखना उनके गेम प्लान का मुख्य हिस्सा था। ओलंपिक डॉट कॉम से बात करते हुए सिंधु ने बताया, मैं बहुत खुश हूं कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। मेरे लिए, पहले गेम से ही हर मैच बहुत मायने रखता था और आज का मैच खासकर, शुरू से ही फोकस करने के लिए बहुत जरूरी था, क्योंकि जब आप टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं, तो हर अंक मायने रखता है। पहला गेम जीतना सच में बहुत मायने रखता था।÷ उन्होंने अपने कोच की सलाह को भी महत्वपूर्ण बताया। मैं पूरी तरह खेल पर केंद्रित थी। मेरे कोच कहते रहे, क्योंकि मैं पहले गेम में आगे चल रही थी और चेन यूफेई काफी करीब आ गई थी, इसलिए और ध्यान देना जरूरी था।

लंका प्रीमियर लीग पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर मनजोत कालरा खिलाड़ी को रिश्वत देने के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो ।

श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की फ्रेंचाइजी जाफना किंग्स के सह-मालिक और भारत के पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर मनजोत कालरा को शुक्रवार को एक खिलाड़ी को रिश्वत देने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी टूर्नामेंट के छठे चरण के शुरू होने से कुछ घंटे पहले हुई। पुलिस की विशेष जांच इकाई, जो खेलों से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए काम करती है, ने कालरा को गिरफ्तार किया और बाद में उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। 27 वर्षीय मनजोत कालरा ने 2018 के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में शतक जड़कर भारत को जीत दिलाई थी। इस साल की शुरुआत में उन्होंने खेल उद्यमिता में कदम रखते हुए जाफना किंग्स फ्रेंचाइजी में निवेश किया था। श्रीलंकाई पुलिस के अनुसार, कालरा पर टूर्नामेंट के सिलसिले में पैसे का लालच देकर एक खिलाड़ी को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप है। जांचकर्ताओं ने बताया कि लगभग 10 दिन पहले कालरा ने खिलाड़ी से संपर्क किया था, जिसके बाद खिलाड़ी ने अधिकारियों को सूचित किया और शुक्रवार को यह गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि जाफना किंग्स फ्रेंचाइजी के लिए खेलने वाले श्रीलंका के खिलाड़ियों भानुका राजपक्षे, अविष्का फर्नांडो और डुनिथ वेलालागे ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। यह गिरफ्तारी एलपीएल 2026 के पहले दिन हुई, जब जाफना किंग्स की टीम गॉल गैलेंट्स से मैच खेल रही थी। पांच टीम वाले इस टूर्नामेंट में 24 मैच खेले जाएंगे और यह आठ अगस्त को समाप्त होगा। एलपीएल का इतिहास मैच फिक्सिंग, रिश्वत देने और भ्रष्टाचार के आरोपों से भरा रहा है।

कॉमनवेल्थ गेम्स-भारत के लिए मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी

नई दिल्ली ।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रोमांच 23 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जहाँ भारत के कुल 125 एथलीट स्कॉटलैंड के ग्लासगो में देश के लिए पदक जीतने का लक्ष्य रखेंगे। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन किया है और कई यादगार पल बनाए हैं।

आइए आपको भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले कुछ सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने अपने खेल से देश का नाम रोशन किया। भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ियों में अनीश भनवाला का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में यह उपलब्धि हासिल की थी, जो उनके असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। मनु भाकर, एक और उभरती हुई स्टार शूटर, भारत के लिए पदक जीतने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने भी 2018 के गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। मनु ने मात्र 16 साल और 10 दिन की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड पर निशाना साधा था।

2018 के इन्हीं खेलों में, मेहुली घोष ने 17 साल की उम्र में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया था, और वह तीसरी सबसे युवा पदक विजेता बनीं।

हाल ही में, बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में, जेरेमी लालरिनुंगा ने 19 साल की उम्र में वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

उन्होंने 67 किलोग्राम वर्ग में अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी सुनील बहादुर हैं। उन्होंने 45 साल की उम्र में 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में लॉन बॉल्स के खेल में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल हासिल किया था। यह उपलब्धि उनके अनुभव, दृढ़ता और खेल के प्रति समर्पण का प्रतीक है, और उन्होंने साबित किया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है जब जुनून और मेहनत साथ हो। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी उम्र और अनुभव की परवाह किए बिना देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिम्बाब्वे दौरे पर बांग्लादेश को मिली पहली जीत

रोमांचक टी20 मुकाबले में मेजबान को 34 रनों से हराया

नई दिल्ली ।

जिम्बाब्वे के दौरे पर गई बांग्लादेश की क्रिकेट टीम को आखिरकार सफलता मिली है। एक टेस्ट मैच और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज हारने के बाद, बांग्लादेश ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में मेजबान जिम्बाब्वे को 34 रनों से हरा दिया। यह जीत बांग्लादेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इससे पहले एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 85 रनों से हार चुकी थी, जबकि एकदिवसीय सीरीज जिम्बाब्वे ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला भी मेजबान टीम ने जीता था, जिससे बांग्लादेश पर दबाव बढ़ गया था। क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावेयो में शुक्रवार को खेले गए इस दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 186 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बांग्लादेश की ओर से सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने 55 रन और तनजीद हसन तमीम ने 58 रन की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इसके अलावा, यासिर अली ने 22 रन और मोहम्मद सैफुद्दीन ने अंत में तेजतर्रार 31 रन (10 गेंदों में 310 की स्ट्राइक रेट से) बनाए, जिससे टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद मिली। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों में नवारगा को दो, सिकंदर राजा को एक और ब्रैड इवांश को दो विकेट हासिल हुए। 187 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उनके कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं बना सका। कप्तान सिकंदर राजा ने 28, रयान बर्ल ने 29 और ब्रैड इवांश ने 25 रनों की पारी खेली, लेकिन वे टीम को जीत की दहलीज तक नहीं पहुंचा सके। पूरी जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रनों के स्कोर पर ही सिमट गई। बांग्लादेश की ओर से गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी गुकेश को फिरोजा ने हराया

दो जीत के साथ शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई ।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 शतरंज प्रतियोगिता के दूसरे दौर में फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को 69 चाल तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ फिरोजा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए दो अंकों के साथ प्रतियोगिता में एकल बढ़त हासिल कर ली।

पहले दौर में काले मोहरों से भारतीय ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश को मात देने वाले अलीरेजा फिरोजा ने दूसरे दौर में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लंबे समय तक कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंततः उन्हें 69 चालों के बाद हार का सामना करना पड़ा। इस परिणाम ने टूर्नामेंट की अंक तालिका को रोचक बना दिया है। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संतुलित प्रदर्शन किया। ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश, अर्जुन एरिगेसी और निहाल सरीन ने अपने से अधिक रेटिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले ड्रॉ कर महत्वपूर्ण आधा-आधा अंक हासिल किया। इन परिणामों से भारतीय खिलाड़ियों की आगे की चुनौती बरकरार है।

मेसी के लिए अनलकी रेफरी की चर्चा तेज, फीफा वर्ल्ड कप फाइनल से पहले मचा बवाल

नई दिल्ली ।

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। इंग्लैंड को 2-1 से हराकर फाइनल में पहुंचने के बाद अब मेसी के प्रदर्शन से ज्यादा एक अलग मुद्दा सुर्खियां बटोर रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस मेसी के पिछले बड़े फाइनल मुकाबलों और उनमें रेफरी की भूमिका को लेकर बहस कर रहे हैं, जिससे अनलकी रेफरी शब्द ट्रेंड करने लगा है। अर्जेंटीना के कई फैंस और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मेसी को अपने करियर के कुछ बड़े फाइनल मुकाबलों में ऐसे रेफरी मिले, जिनके फैसलों के बाद टीम को निराशा झेलनी पड़ी। इसी वजह से सोशल मीडिया पर अनलकी रेफरी शब्द ट्रेंड करने लगा है। हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और यह पूरी तरह फैंस की राय और पुराने मैचों की चर्चाओं पर आधारित है। इन चर्चाओं के बावजूद, मेसी ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में रेफरी इस्माइल एल्फथ की मौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया और अर्जेंटीना को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

उनके सेमीफाइनल प्रदर्शन के बाद कई फैंस का कहना है कि मेसी अब किसी भी तरह के दबाव या पुराने रिकॉर्ड से ऊपर उठ चुके हैं और उनका खेल ही सबसे महत्वपूर्ण है। अब अर्जेंटीना का सामना फाइनल में स्पेन से होगा, जहां दोनों टीमें विश्व कप ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी। इस बीच सोशल मीडिया पर फैंस लगातार यही उम्मीद जता रहे हैं कि फाइनल में रेफरी से जुड़ा कोई विवाद देखने को न मिले और मुकाबले का फैसला केवल खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर हो। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी, और इस ऐतिहासिक मौके पर किसी भी बाहरी विवाद की बजाय, खेल का शुद्ध रोमांच ही हावी होना चाहिए, यही सभी फुटबॉल प्रेमियों की दिली इच्छा है।

फीफा वर्ल्ड कप- स्पेन के लिए आई राहत भरी खबर, फाइनल मैच के लिए फिट हुए लामिन यामल

नई दिल्ली ।

फीफा विश्व कप 2026 के बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले से ठीक पहले स्पेन के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के युवा स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल अब पूरी तरह से फिट हैं और अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाली ऐतिहासिक भिड़ंत में मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह जानकारी टीम के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने दी है। 19 वर्षीय यामल को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था, उस मुकाबले में स्पेन ने 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। चोट के कारण यामल गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे, जिससे उनके फाइनल खेलने को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, डे ला फुएंते ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि यामल को जोरदार चोट लगी थी, जिससे काफी दर्द हो रहा था, और एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया था। कोच ने बताया कि शुक्रवार के अभ्यास सत्र में यामल ने अपने साथियों के साथ पूरी ट्रेनिंग की और अब वह फिट हैं। कोच ने कहा कि शनिवार का अभ्यास सत्र टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि अगर किसी खिलाड़ी को आखिरी समय में कोई परेशानी होती है तो उसे ठीक होने का मौका नहीं मिलेगा। इसलिए टीम मैनेजमेंट हर खिलाड़ी की फिटनेस पर पैनी नजर रख रहा है। स्पेन के लिए यह मुकाबला बेहद खास है क्योंकि टीम 2010 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल मिलाकर चौथी बार विश्व कप का खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों को खारिज किया

लेकिन भविष्य पर अभी भी संशय

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। सैकिया ने स्पष्ट किया है कि इंग्लैंड के खिलाफ 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा और आखिरी वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मुकाबला नहीं होगा। हालांकि, बीसीसीआई के बयान के बावजूद, रोहित के फैंस और क्रिकेट विश्लेषकों के बीच उनके भविष्य को लेकर संशय अभी भी बरकरार है। सैकिया ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं जोर देकर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हो रही है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स पर अपना आखिरी मैच खेलेगा। रोहित भारतीय वनडे टीम का नियमित सदस्य है और जब तक टीम की योजनाओं का हिस्सा है, देश के लिए खेलता रहेगा। दूसरे शब्दों में, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं है।

कनाडा के जंगलों की आग के बावजूद नहीं बदलेगा फाइनल मुकाबले का वेन्यू

नई दिल्ली ।

कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग का असर अब अमेरिका के न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी तक पहुंच गया है, जिससे धुएं के कारण हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसके बावजूद, फीफा ने साफ कर दिया है कि स्पेन और अर्जेंटीना के बीच 20 जुलाई को होने वाला फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेला जाएगा। फिलहाल, मैच के वेन्यू या समय में किसी भी तरह के बदलाव की कोई योजना नहीं है। यह घोषणा फुटबॉल प्रेमियों और आयोजकों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि मैच पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल छंट गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा लगातार अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के संपर्क में है और पूरे टूर्नामेंट के दौरान मौसम विभाग के अधिकारी फीफा के कमांड सेंटर में मौजूद रहे हैं। फाइनल से पहले भी हालात पर पैनी नजर रखी जा रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि शनिवार को धुएं का असर अधिक रहेगा, लेकिन रविवार तक हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। यह पूर्वानुमान फीफा को अपने फैसले पर टिके रहने का आत्मविश्वास दे रहा है। स्पेन और अर्जेंटीना के बीच यह खिताबी मुकाबला न्यू जर्सी के 80 हजार क्षमता वाले मेटलाइफ स्टेडियम में भारतीय समयानुसार देर रात खेला जाएगा। फीफा ने किसी भी तरह के शेड्यूल बदलाव से इनकार किया है और आयोजन की सभी तैयारियां पहले की तरह जारी हैं।

कनाडा की जंगलों की आग, जो जलवायु परिवर्तन के कारण इस साल सैकड़ों स्थानों पर लगी है, उसका धुआं अमेरिका के कई बड़े शहरों तक पहुंचा है। खराब एयर क्वालिटी की वजह से मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का एक मुकाबला स्थगित करना पड़ा था, जबकि मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) के एक मैच का समय भी बदलना पड़ा था। हालांकि, फीफा को भरोसा है कि विश्व कप फाइनल के दौरान मौसम खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए अनुकूल रहेगा और यह ऐतिहासिक मुकाबला बिना किसी बाधा के संपन्न होगा।

महिला एशिया कप क्वालीफायर में भारतीय फुटबॉल टीम का पहला मुकाबला इराक से

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला अंडर-17 फुटबॉल टीम को आगामी एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप 2027 क्वालीफायर के लिए ग्रुप ई में रखा गया है जिसमें उसे मेजबान टीम मलेशिया के अलावा सीरिया और इराक से खेलना होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इन मुकाबलों को जीतकर लगातार दूसरी बार क्वालीफाई करना रहेगा। टीम ने हाल ही में चीन में आयोजित 2026 एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। तब टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत इराक के खिलाफ मुकाबले से करेगी। जिसके बाद उसे सीरिया और अंत में मेजबान मलेशिया के साथ मुकाबला खेलना होगा। इन क्वालीफायर मैचों में मिली जीत ही टीम को अगले चरण में पहुंचाएगी । इन क्वालीफायर में शामिल कुल आठ ग्रुप विजेता एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चीन 2027 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे। मुख्य टूर्नामेंट 31 मार्च से 17 अप्रैल 2027 तक सूजौ में आयोजित होगा। ड्रॉ प्रक्रिया के लिए, टूर्नामेंट के पिछले तीन संस्करणों में टीमों की अंतिम रैंकिंग के आधार पर बनी अंक प्रणाती के प्रयोग से 30 टीमों को चार पॉट और एक अतिरिक्त मेजबान पॉट में विभाजित किया गया था। भारत को पॉट 1 में रखा गया था, जिसके बाद टीमों को आठ ग्रुप में बांटा गया। इसमें छह ग्रुप में चार-चार टीमें और दो ग्रुप में तीन-तीन टीमें थीं। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चें को बार-बार पेट दर्द हो तो हो जाएं सतर्क, ये हो सकता है इस गंभीर बीमारी का संकेत

अगर आपका बच्चा बार-बार पेट दर्द की शिकायत करता है तो इसे सिर्फ गैस या अपच समझकर नजरअंदाज न करें। यह एपेंडिक्स की बीमारी यानी एपेंडिसाइटिस भी हो सकती है। जी हां, यह बीमारी सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बल्कि बच्चों को भी हो सकती है और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये जानलेवा भी बन सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप इस बीमारी के लक्षणों को समय रहते पहचानें ताकि सही समय पर डॉक्टर की मदद ली जा सके और बच्चा सुरक्षित रहे।

क्या होता है एपेंडिक्स और कैसे होती है ये बीमारी?

एपेंडिक्स एक छोटी थैली जैसी अंग होती है जो हमारे पेट में बड़ी आंत से जुड़ी होती है। जब इसमें सूजन आ जाती है तो उसे एपेंडिसाइटिस कहा जाता है। सूजन के पीछे कारण हो सकते हैं जैसे -

आंत में मल का जमा हो जाना

किसी तरह का संक्रमण

या फिर कोई रुकावट

जब एपेंडिक्स में सूजन आ जाती है, तो उसमें तेज दर्द होता है और दूसरी परेशानियां भी शुरू हो जाती हैं।

बच्चों में एपेंडिसाइटिस कितनी आम है?

एपेंडिसाइटिस किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है लेकिन 5 साल से बड़े बच्चों में यह बीमारी ज्यादा देखी जाती है। हालांकि, 1 से 3 साल के छोटे बच्चों यानी टॉडलर्स में भी यह बीमारी हो सकती है। छोटे बच्चों की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि वे अपने दर्द और लक्षण ठीक से बता नहीं पाते जिससे बीमारी की पहचान में देर हो जाती है।

बच्चों में एपेंडिसाइटिस के लक्षण

बच्चों में एपेंडिसाइटिस के कुछ खास लक्षण इस प्रकार हैं :

पेट के निचले दाएं हिस्से में बार-बार या लगातार दर्द

हल्का या तेज बुखार

उल्टी या मतली आना

भूख कम हो जाना या खाना खाने से मना करना

पेट फूला हुआ लगना

बच्चा बहुत चिड़चिड़ा हो जाना

बिना वजह थकान महसूस करना

इन लक्षणों में से अगर एक या एक से ज्यादा दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

क्यों है समय पर इलाज जरूरी?

अगर समय रहते इलाज नहीं किया गया, तो एपेंडिक्स फट सकता है, जिससे पेट के अंदर गंभीर संक्रमण (पेरीटोनाइटिस) हो सकता है। यह स्थिति जानलेवा बन सकती है। खासकर 5 साल से छोटे बच्चों में यह खतरा बहुत अधिक होता है क्योंकि लक्षण जल्दी बढ़ते हैं।

डॉक्टर कैसे करते हैं जांच?

एपेंडिसाइटिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर निम्नलिखित जांच करते हैं शारीरिक जांच, खून की जांच (इंफेक्शन देखने के लिए), अल्ट्रासाउंड। कुछ मामलों में सीटी स्कैन, हालांकि छोटे बच्चों में इसका इस्तेमाल कम किया जाता है, क्योंकि इससे रेडिएशन का खतरा होता है। सबसे जरूरी है कि किसी अनुभवी पीडियाट्रिक सर्जन द्वारा बच्चे की जांच की जाए।

बच्चे को बनाना है तेज और समझदार तो पेरेंट्स आज से अपनाएं ये 5 आदतें

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे, आत्मविश्वासी हो, समझदार बने और जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना पूरे फोकस और समझदारी से करे। बच्चों का दिमाग जितना तेज और समझदार होता है, वे उतनी जल्दी चीजें समझ पाते हैं, सही फैसले ले पाते हैं और खुद को अच्छे से दूसरों के सामने रख पाते हैं। बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट को बेहतर बनाने के लिए 5 जरूरी आदतों के बारे में बताया है, जिन्हें हर पैरेंट को अपने बच्चे की परवरिश में शामिल करना चाहिए। आइए इन बातों पर एक-एक करके नजर डालते हैं।

घर का माहौल रखें पॉजिटिव और शांत

बच्चे जिस माहौल में पलते हैं, उनका दिमाग उसी के अनुसार बनता और बढ़ता है। अगर घर का माहौल शांति और प्यार से भरा होगा तो बच्चा भी मानसिक रूप से मजबूत और खुशहाल बनेगा। मम्मी-पापा और बच्चों के बीच एक गहरा जुड़ाव (बॉन्ड) होना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि पूरा परिवार रोज थोड़ा समय एक-दूसरे के साथ बिताए। चाहे वो साथ में खाना खाना हो, कोई मस्ती भरा गेम खेलना हो, एक साथ गाना गाना या डांस करना हो, पिलो फाइट या पकड़म पकड़ाई जैसा कोई खेल हो। ये सभी छोटी-छोटी चीजें बच्चों के मानसिक विकास में बड़ा रोल निभाती हैं।

बच्चों को दें फ्री प्ले टाइम

दूसरी सबसे जरूरी चीज है बच्चों को खुलकर खेलने का समय देना। हर बच्चे को रोज शाम को कम से कम 1 घंटा बाहर खुले मैदान में खेलने का मौका जरूर मिलना चाहिए। बच्चा अगर दौड़ता है, कूदता है, चढ़ता है या फिजिकल एक्टिविटीज करता है तो इससे उसका नर्वस सिस्टम मजबूत होता है जो दिमाग के विकास में बहुत मदद करता है। इसके अलावा, यह खेलने का समय बच्चे की क्रिएटिव सोच, आत्मविश्वास और सोशल स्किल्स को भी बढ़ाता है।

बच्चों का न्यूट्रिशन रखें बैलेंस्ड

बच्चों के खाने-पीने का खास ध्यान रखा जाए। घर का बना ताजा खाना ही सबसे अच्छा होता है। बच्चों को प्रोसेस्ड, पैकेज्ड या बाहर का

फास्ट फूड बिल्कुल न दें। फल, सब्जियां, दाल, रोटी, दूध, नट्स और देसी खाना बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी होता है। सही पोषण ना सिर्फ शरीर को ताकत देता है, बल्कि दिमाग को भी एक्टिव और फोकस्ड बनाए रखता है।

रूटीन ना करें गड़बड़

एक और बहुत जरूरी बात जो अक्सर पैरेंट्स नजरअंदाज कर देते हैं - बच्चे का स्लीप रूटीन। अगर बच्चा कभी 12 बजे, कभी 1 बजे और कभी 2 बजे सोता है, तो ये बदलाव उसके दिमाग के लिए झटके की तरह होते हैं। बच्चे का हर दिन एक तय समय पर सोना और एक तय समय पर उठना बहुत जरूरी है। सही रूटीन से बच्चे को नींद भरपूर मिलती है और उसका दिमाग फ्रेश और एक्टिव रहता है। रूटीन गड़बड़ होने से बच्चा चिड़चिड़ा, थका हुआ और कम ध्यान देने वाला बन सकता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि सोने और खाने का रूटीन बच्चे के लिए पहले दिन से ही तय करें और उसे लगातार फॉलो कराएं।

पैरेंट्स खुद इन बातों को लें सीरियसली

अगर आप ऊपर बताई गई 5 आदतों को नजरअंदाज करते हैं, तो उसका सीधा असर आपके बच्चे के व्यवहार पर पड़ सकता है। ऐसा बच्चा बार-बार चिड़चिड़ा हो सकता है, जरूरत से ज्यादा जिद या टैंट्रम दिखा सकता है, पढ़ाई या एक्टिविटीज में फोकस नहीं कर पाएगा। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता इन बातों को हल्के में न लें और बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए इन सभी बातों को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

बच्चों का दिमाग एक स्पंज की तरह होता है जितना अच्छा आप उसमें भरेंगे, उतना अच्छा वो आगे जाकर करेगा। अगर आप ये 5 आसान बातें अपने रोजमर्रा में शामिल कर लें, तो आपका बच्चा न सिर्फ पढ़ाई में, बल्कि पूरी जिंदगी में शानदार प्रदर्शन करेगा।

बरसाती मौसम में हो गया है आई फ्लू तो ये गलती ना कर बैठें, खासकर बच्चे के साथ...

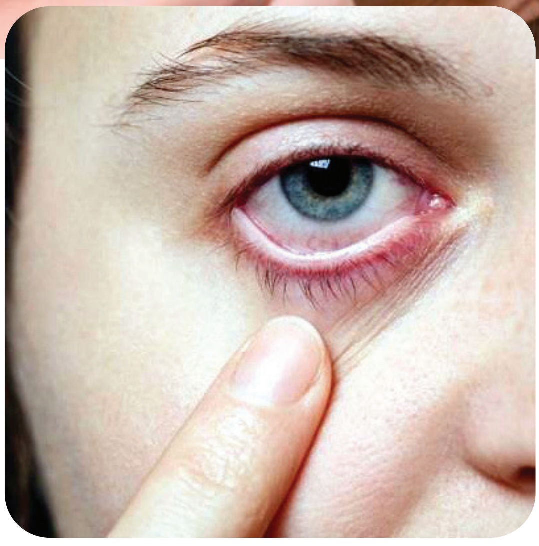

बरसाती मौसम (मानसून) में आंखों में संक्रमण, लालगी और सूजन की समस्या आम हो जाती है। इस मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फंगल इंफेक्शन तेजी से फैलते हैं, जिससे कंजंक्टिवाइटिस (आंख आना), जिसे आम भाषा में आई फ्लू या पिंक फ्लू भी कहा जाता है। स्टाई (आंख पर फुंसी), एलर्जी और ड्राई आई सिंड्रोम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चलिए आपको आंखों को संक्रमण, लालगी और सूजन से बचाने के कुछ कारगर उपाय बताते हैं।

बरसात में आंखों को इंफेक्शन, लालगी और सूजन से बचाने के उपाय

आंखों को बार-बार छूने से बचें : गंदे हाथों से आंखों को छूने या मलने से बैक्टीरिया और वायरस आंखों में चले जाते हैं। आंखों को छूने से पहले हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं।

गंदे पानी और बारिश के पानी से आंखों को बचाएं : बारिश में भीगने से बचें, खासकर जब पानी आंखों में जाने की संभावना हो। सड़क का गंदा पानी आंखों में न जाने दें।

साफ तौलिया और रूमाल का इस्तेमाल करें : आंख पोंछने के लिए हमेशा साफ और अलग रूमाल/तौलिया इस्तेमाल करें। परिवार में किसी को आंख का इंफेक्शन है तो उनके तौलिया, चश्मा न साझा करें।

आंखों में पानी से धोते रहें : दिन में 2-3 बार ठंडे पानी से आंखें धोएं, इससे धूल-मिट्टी और बैक्टीरिया निकल जाते हैं। गुलाब जल में कॉटन भिगोकर आंखों पर रखना भी राहत देगा।

आंखों में मेकअप प्रोडक्ट्स का सीमित इस्तेमाल करें : बरसात में आई-लाइनर, काजल आदि का ज्यादा प्रयोग न करें क्योंकि पसीना और नमी से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। यदि इस्तेमाल करें तो ब्रांडेड और हाइजीनिक प्रोडक्ट ही लें।

आंखों को बार-बार रगड़ें नहीं : यदि आंखों में जलन, खुजली या पानी आ रहा हो तो डॉक्टर से परामर्श लें। रगड़ने से स्थिति और बिगड़ सकती है।

आंखों को आराम दें : मोबाइल, लैपटॉप पर ज्यादा समय न बिताएं। हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए आंखें बंद करके आराम दें।

आंखों के चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस की सफाई पर ध्यान दें : चश्मे को दिन में 2-3 बार साफ करें। कॉन्टैक्ट लेंस को सही तरह स्टरलाइज करके ही पहनें और गंदे हाथों से न छुएं।

डॉक्टरी सलाह कब लें?

आंखों में लगातार पानी आना, जलन या सूजन बढ़ना।

पीला या हरा मवाद निकलना।

नजर धुंधली हो जाना।

तेज सिरदर्द या बुखार के साथ आंखों में परेशानी होना।

घरेलू उपाय जो मदद करेंगे (सावधानी के साथ करें)

गुलाब जल और ठंडी पट्टियां से आंखों पर सेक करें।

त्रिफला जल से आंखों को धोना भी लाभकारी है (डॉक्टर से परामर्श के बाद)।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल आंखों के आस-पास हल्के से कर सकते हैं (आंखों के अंदर न जाए)।

ये लोग विशेष सावधानी बरतें

आंखों से जुड़ा कोई भी आई ड्रॉप बिना डॉक्टरी सलाह के ना डालें। खासकर बच्चों की आंखों में ऐसी कोई दवा इस्तेमाल ना करें जो डॉक्टरी सलाह के अनुसार ना हो।

बच्चों और बुजुर्गों की आंखों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें।

मानसून में आंखों का इंफेक्शन जल्दी फैलता है, इसलिए यदि किसी को कंजंक्टिवाइटिस है तो उनसे दूरी बनाए रखें।

बच्चों में डायरिया को न करें नजरअंदाज, समय पर करे ये जरूरी इलाज

डायरिया, यानी दस्त की परेशानी, बच्चों में बहुत आम होती है खासकर गर्मी और बरसात के मौसम में। जब किसी बच्चे को बार-बार ढीला, पानी जैसा मल होने लगे तो यह डायरिया होता है। यह तब खतरनाक बन जाता है जब शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी होने लगे जिसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। बच्चों का शरीर छोटा होता है इसलिए पानी की कमी बहुत जल्दी हो सकती है। यही कारण है कि डायरिया को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी अन्य बीमारी या संक्रमण का संकेत भी हो सकता है।

कब चिंता की बात होती है?

कभी-कभी हल्का डायरिया सामान्य होता है, जैसे कि जब बच्चा नई चीजें खाता है या मौसम बदलता है। लेकिन अगर बच्चा दिन में 3-4 बार से ज्यादा पतले दस्त कर रहा है, तो यह चिंता का कारण बन सकता है।

डायरिया के सामान्य कारण :

गंदा खाना या पानी

हाथ साफ न होना

बोतल या बर्तन साफ न होना

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना

खुले में शौच जाना

गंदे खिलौने या चीजें मुंह में डालना

दूध न पच पाना भी हो सकता है कारण

कई छोटे बच्चों को लैक्टोज इन्टॉलरेंस होता है यानी वे दूध ठीक से नहीं पचा पाते। इससे भी डायरिया हो सकता है। इसके अलावा, कभी-कभी नई चीज खाने पर या ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लेने पर भी दस्त हो सकते हैं। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, इसलिए वे जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

डायरिया होने पर सबसे ज़रूरी है - पानी और नमक की पूर्ति

जब बच्चा डायरिया से पीड़ित होता है तो उसके शरीर से बहुत सारा पानी, नमक और जरूरी तत्व (इलेक्ट्रोलाइट्स) बाहर निकल जाते हैं। इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि बच्चे को ओआरएस (हत्रू) का घोल पिलाया जाए। हर बार दस्त के बाद हत्रू देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न हो। छोटे बच्चों को माँ का दूध जरूर देते रहें, क्योंकि यह पोषण भी देता है और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

क्या खाना दें?

बच्चे को हल्का और आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए, जैसे :

खिचड़ी

दाल-चावल

केला

सेब की चटनी

दही

भारी, तली-भुनी चीजें या दूध जैसी चीजों से परहेज करें।

अगर बच्चा खाना नहीं चाहता तब भी उसे थोड़ा-थोड़ा खाते रहने को कहें। साथ में खूब सारा साफ पानी, नारियल पानी या नींबू पानी पिलाएं।

साफ-सफाई है सबसे जरूरी

डायरिया से बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

बच्चों को खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथ धोने की आदत डालें

बोतल, बर्तन और खिलौने रोज साफ करें

साफ और उबला हुआ पानी पिलाएं

बाहर का खाना देने से बचें

खुले में खेलने के बाद भी हाथ जरूर धुलवाएं। साफ-सफाई और सतर्कता से डायरिया से बचा जा सकता है।

नवजात और छोटे बच्चों में डायरिया - ज्यादा खतरा

अगर बच्चा 6 महीने से छोटा है, और उसे दस्त हो जाएं, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इतने छोटे बच्चों में डिहाइड्रेशन बहुत जल्दी हो सकता है और उनका शरीर इसे सह नहीं पाता। समय पर इलाज न मिलने से कमजोरी, वजन कम होना, कुपोषण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अगर बच्चे को 24 घंटे से ज्यादा दस्त हो, तो देरी न करें।

कब डॉक्टर से तुरंत मिलना चाहिए?

अगर बच्चा बहुत सुस्त हो जाए, आंखें धंसी हुई लगें, पेशाब कम आए, बार-बार उल्टी हो, खून के साथ दस्त हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डिहाइड्रेशन बढ़ने पर बच्चे को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है डायरिया को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों में। सही समय पर ओआरएस देना, हल्का खाना, साफ पानी और साफ-सफाई से न केवल इलाज किया जा सकता है, बल्कि इसे रोका भी जा सकता है। सावधानी और सही देखभाल से आपका बच्चा जल्दी ठीक हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाबालिग ने लिव-इन पार्टनर को गोली मारी, परिवार की मदद से दफनाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कोडीहल्ली थाना क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज़ आपराधिक मामला सामने आया है, जहाँ एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़के ने अपनी लिव-इन पार्टनर, जो कि खुद भी नाबालिग थी, की गोली मारकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद, हत्या को छिपाने के लिए उसने अपने भाई और चाचा की मदद से शव को दफना दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नाबालिग लड़के के साथ-साथ उसके भाई और चाचा को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे इस नृशंस अपराध का पर्दाफाश हुआ। मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपी के चाचा ने अपने दोस्तों को इस हत्या के बारे में बता दिया। मामला चर्चा में आया और धीरे धीरे मृतिका के परिजनों तक पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने जांच और पूछताछ की तो पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 10 जुलाई को कोडीहल्ली थाना क्षेत्र के केम्पलानाथ गांव में हुई थी। बताया जाता है कि आरोपी लड़के ने अपनी 16 वर्षीय गर्लफ्रेंड को सोशल मीडिया पर किसी दूसरे लड़के के साथ मैसेज पर बात करते हुए देख लिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई और नाबालिग ने गुस्से में आकर लड़की के साथ मारपीट की। क्रोध में अंधे होकर उसने घर में रखा एक पुराना देसी कट्टा (हथियार) निकाला और अपनी गर्लफ्रेंड पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लड़की किसी दूसरे गांव की रहने वाली थी और अपने माता-पिता से दूर रहकर इस लड़के के साथ रह रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, जांच अधिकारियों ने बताया कि हत्या के बाद नाबालिग लड़का घबरा गया और उसने अपने भाई व चाचा को इस घटना की जानकारी दी। इसके बाद, तीनों ने मिलकर लड़की के शव को दफना दिया ताकि पुलिस और आम लोगों की नज़रों से इस घिनौने जुर्म को छिपाया जा सके। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों नाबालिगों की दोस्ती करीब दो महीने पहले सोशल मीडिया के जरिए ही हुई थी। पिछले एक महीने से लड़की आरोपी लड़के के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। लड़की ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी और अपने माता-पिता से झूठ कहा था कि वह अपनी एक सहेली के साथ रह रही है, इसलिए परिवार ने भी उस पर ज्यादा सवाल नहीं किए थे। वहीं, लड़के के परिवार को भी पता था कि लड़की उसके साथ रह रही है, लेकिन उन्होंने भी कोई आपत्ति नहीं जताई थी। फिलहाल कोडीहल्ली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

न्यू टाउन में किराए के कमरे में क्रूड बम धमाका, सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के न्यू टाउन स्थित राजारहाट इलाके में किराए के कमरे में हुए संदिग्ध क्रूड बम विस्फोट से हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है, जिसमें कुछ संदिग्ध लोग एक बैग छोड़कर जाते दिख रहे हैं। पुलिस ने मौके से बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की है और दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पुलिस के अनुसार, साउथ नारायणपुर इलाके में सुपारी के बागान के भीतर बने एक ग्राउंड फ्लोर के कमरे में यह धमाका हुआ। यह कमरा हाल ही में कामारहाटी के एक व्यक्ति ने किराए पर लिया था। लोगों ने बताया कि दो व्यक्ति एक बैग लेकर कमरे में आए, उस अंदर छोड़ा और कुछ ही मिनटों बाद तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि दो पड़ोसी कमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कमरे के अंदर मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया, उस लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना देने के बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल की हालत फिलहाल स्थिर है। नारायणपुर थाने की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली है, जिससे आशंका है कि कमरे का इस्तेमाल विस्फोटक सामग्री तैयार करने या छिपाने के लिए हो रहा था। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से उन लोगों की पहचान की जा रही है, जिन्होंने कथित तौर पर बैग कमरे में रखा था।

ईवी नीति से घबराएं नहीं लोग, चरणबद्ध लागू होगी : सीएम रेखा गुप्ता

-1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को लेकर आम जनता में फैली चिंताओं को दूर कर स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल वाहन मालिकों को घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नीति अचानक लागू नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा ताकि किसी पर भी अनावश्यक बोझ न पड़े। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समझाया कि कोई भी बड़ी व्यवस्था एकाएक नहीं बदलती, बल्कि व्यवस्था को आकार लेने में समय और कई साल लगते हैं। इसी सिद्धांत पर चलते हुए, ईवी नीति को इस तरह से तैयार किया गया है कि लोग धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाएं और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने साफ किया कि जिनके पास पहले से पेट्रोल और डीजल वाहन हैं, वे अपनी गाड़ियों का उपयोग उनकी वैध अवधि समाप्त होने तक बिना किसी रोक-टोक के कर सकते हैं। जनता को इस विषय पर किसी भी तरह की चिंता या भ्रम में पड़ने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा ने नीति के महत्वपूर्ण चरणों का उल्लेख कर बताया कि 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का पंजीकरण होगा। इसका अर्थ है कि नए ऑटो खरीदने वालों को इलेक्ट्रिक विकल्प ही चुनना होगा, जबकि मौजूदा पेट्रोल-डीजल ऑटो अपनी निर्धारित अवधि तक चलते रहने वाले है। इसी क्रम में, अप्रैल 2028 से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए नई पंजीकरण व्यवस्था लागू होगी, जिसमें नए टू-व्हीलर केवल इलेक्ट्रिक होगा। हालांकि, पुराने पेट्रोल या डीजल दोपहिया वाहन भी अपनी वैध समय-सीमा तक उपयोग किए जा सकते है। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के प्रदूषण को कम करना और शहर को स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ाना है, न कि किसी को परेशान करना। उन्होंने कहा कि यदि इसतरह के स्पष्ट और चरणबद्ध नियम नहीं लागू किए जाते हैं, तब सरकार द्वारा किया जा रहा करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश भी पूरी तरह प्रभावी नहीं होगा। दिल्ली सरकार का लक्ष्य जनता को बेहतर सुविधाएं देना है ताकि वे स्वयं इस पर्यावरणीय बदलाव का हिस्सा बनें।

वांगचुक के अनशन को मिला विपक्ष का साथ, तेज होगा आंदोलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। जंतर-मंतर पर चल रहा उनका यह आंदोलन अब 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। इतने लंबे समय से उपवास पर रहने के कारण उनके स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है और बताया जा रहा है कि इस दौरान उनका वजन लगभग 10 किलोग्राम तक कम हो गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर चिकित्सकों की एक विशेष टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है।

इस बीच, शुरुआत में इस आंदोलन से थोड़ी दूरी बनाए रखने वाली कांग्रेस अब खुलकर सोनम वांगचुक के समर्थन में सामने आ गई है। कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता जता चुके हैं। इसी कड़ी में वरिष्ठ नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने जंतर-मंतर पर वांगचुक से मुलाकात की। उन्होंने वहां मौजूद आंदोलनकारियों से बातचीत की और वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताते हुए उनसे अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने उन अन्य प्रदर्शनकारियों से भी चर्चा की जो परीक्षा प्रणाली में पूरी पारदर्शिता और बड़े सुधारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस के इस बदले हुए रुख की काफी चर्चा हो रही है, जिसके पीछे वर्ष 1984 की एक ऐतिहासिक घटना को मुख्य कारण माना जा रहा है। उस समय लद्दाख में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर सोनम वांगचुक के पिता सोनम वांगयाल एक बड़े आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। जब उन्होंने भूख हड़ताल शुरू की, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी स्वयं लेह पहुंची थीं और उनसे मुलाकात कर मांगों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिया था। हालांकि उसी वर्ष इंदिरा गांधी की हत्या हो गई, लेकिन वह आंदोलन जारी रहा और अंततः वर्ष 1989 में केंद्र सरकार ने लद्दाख के आठ समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान किया। सोनम वांगयाल क्षेत्र की राजनीति में काफी सक्रिय थे और उन्होंने विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा राज्य सरकार में मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में हुई संसदीय दल की बैठक में वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने वर्ष 1984 की इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की याद दिलाई, जिसके बाद पार्टी ने आंदोलन को आधिकारिक तौर पर समर्थन देने का निर्णय लिया। शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर लंबे समय से सक्रिय सोनम वांगचुक ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आगामी 20 जुलाई से संसद मार्च का भी आह्वान किया है।

लॉरेंस के भाई आरजू बिश्नोई ने दी अभिनेता आमिर खान को धमकी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सलमान खान के बाद अब आमिर खान, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं। आमिर खान को बिश्नोई गैंग ने धमकी दी है। बताया जा रहा है कि आमिर को धमकी देना वाला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई है, जिसका ऑडियो भी सामने आया है।

आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो शेयर करके आमिर खान को धमकी दी है। हालांकि, हम इस सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। जानकारी के मुताबिक पोस्ट में लिखा है- जय श्री राम, जय सीता राम। मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई। ये जो हमारी संस्कृति के खिलाफ हमारे देश में लव जिहाद के नाम पर आमिर खान जैसे लोग इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसका जवाब बहुत जल्द दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। हमारा, हमारे भाई-बहनों और देशवासियों से वादा है कि जो भी इस घटिया हरकत को बढ़ावा देगा, उसको हम अपने तरीके से जवाब देंगे। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे। आमिर खान को मिली धमकी में लव जिहाद का जिक्र किया गया है, जिससे इतना साफ है कि बिश्नोई गैंग, आमिर खान की तीसरी शादी से नाराज है। बता दें कि आमिर ने जबसे गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करके घर बसाया है, तभी से वह मुश्किलों में हैं। आमिर की तीसरी शादी का जमकर विरोध किया जा रहा है। दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ आमिर की शादी को लव जिहाद माना जा रहा है। दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ शादी करने पर आमिर खान को लेकर फतवा भी जारी हो गया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने भी आमिर को लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर का टैग दिया है। अब आमिर को बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिलने पर फैंस की चिंता बढ़ गई है।

सीता के पति, नीता के पति वाले बयान पर कुणाल कामरा को भेजा लीगल नोटिस

-नोटिस में माफी मांगने और विवादित बयान वाले वीडियो हटाने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पेपर लीक मामले को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में सियासी पारा चढ़ता ही जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शुरू किए गए आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे थे। 21वें दिन प्रशासन द्वारा एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वांगचुक को धरना स्थल से जबरन हटा दिया गया। इससे पहले सोनम वांगचुक के इस आंदोलन को अपना समर्थन देने के लिए मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा भी जंतर-मंतर पहुंचे थे। आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कामरा ने कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं जिससे अब एक नया कानूनी विवाद खड़ा हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुणाल कामरा द्वारा दिए गए सीता के पति, नीता के पति वाले बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि ईश्वर एक पवित्र भावना है। हमारे आराध्य देव का नाम इस तरह बदनाम नहीं किया जा सकता है। भगवान का अनादर हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस नोटिस के जरिए कामरा से माफी मांगने और विवादित बयान वाले वीडियो को हटाने की मांग की गई है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी कामरा को भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें आंदोलन के मंच से छात्रों और युवाओं को संबोधित करते हुए कुणाल कामरा ने कहा कि मैं छात्रों से कहना चाहता हूं कि अगर आपको कोई मोदी समर्थक या बीजेपी का वोटर मिले तो उससे बहस करने के बजाय बहुत सहजता से बात करें। हमें मरीज का नहीं, बल्कि बीमारी का इलाज करना है। अगर कोई अंधभक्त यह कहे कि मोदीजी ने जो किया, सही किया तो अपना समय बर्बाद न करें। वहां से चुपचाप निकल जाएं। इस सरकार को कोई शर्म नहीं है। कामरा ने आगे कहा, आप लोग छात्र हैं, कुछ किसान हैं, कुछ बेरोजगार हैं। मैं आप सभी की तरफ से भारत के मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि उन्होंने ही इस आंदोलन को शुरू करने की पहली ईंट रखी थी।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़, एनडीए में विलय को टाल रहीं सुनेत्रा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर गरमागरमी देखी जा रही है, जहाँ भारतीय जनता पार्टी अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कुनबे को बढ़ाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विलय की पुरजोर कोशिश कर रही है। हालांकि, इस विलय के प्रयासों में सबसे बड़ा रोड़ा सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार बन रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा और पार्थ को यह आशंका है कि यदि दोनों एनसीपी गुट एक हो जाते हैं, तो पार्टी की कमान फिर से शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले के हाथों में चली जाएगी, जिससे उनका राजनीतिक प्रभाव कम हो सकता है। फिलहाल, एनसीपी एनडीए का हिस्सा है जबकि एनसीपी (एसपी) विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी हुई है।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच, सुनेत्रा पवार के करीबी नेताओं का मानना है कि उनकी पार्टी के कुछ सदस्य दोनों गुटों के विलय के पक्ष में हैं। लेकिन सुनेत्रा पवार, जो एनसीपी की अध्यक्ष हैं, और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार इस कदम का लगातार विरोध कर रहे हैं। वे किसी भी कीमत पर शरद पवार और सुप्रिया सुले को पार्टी का नेतृत्व वापस सौंपने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, गुरुवार शाम को पार्थ पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। इधर, सियासी गलियारों में एक और बड़ी चर्चा ने जोर पकड़ा है कि शरद पवार खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हाथ मिला सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि यह गठबंधन होता है, तो उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल को महाराष्ट्र के वित्त मंत्रालय का प्रभार सौंपा जा सकता है। यह मंत्रालय पहले दिवंगत अजीत पवार के पास था और इसे राज्य सरकार में एक बेहद महत्वपूर्ण पद माना जाता है। इस संभावित कदम से राज्य सरकार के भीतर सत्ता का संतुलन पूरी तरह से बदल सकता है।

हाल के दिनों में जयंत पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से दो दिन पहले भेंट की थी, जबकि गुरुवार को उन्होंने और पार्टी के वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड ने मुख्यमंत्री शिंदे से मुलाकात की। आव्हाड और शिंदे के बीच इस मुलाकात को राजनीतिक विश्लेषक काफी अहम मान रहे हैं, क्योंकि ये दोनों ही नेता ठाणे जिले से आते हैं और पारंपरिक रूप से एक-दूसरे के राजनीतिक विरोधी रहे हैं। इन मुलाकातों से साफ है कि महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। पार्थ पवार ने अपनी एक बैठक में यह भी सवाल उठाया कि एनसीपी नेताओं और मुख्यमंत्री के बीच चल रही गोपनीय चर्चाओं की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे सीधे सुनेत्रा पवार से इस बारे में बात करेंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि यदि एनसीपी (एसपी) और एनसीपी का विलय होता है, तो सुनेत्रा पवार एक शर्त रख सकती हैं कि उन्हें उपमुख्यमंत्री के पद पर बरकरार रखा जाए और पार्टी की कमान भी उनके हाथों में ही रहे। यह सारी कवायद महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में और भी बड़े बदलावों का संकेत दे रही है।

ममता के भतीजे अभिषेक के पांच मंजिला अवैध आफिस पर चला बुलडोजर

कोलकाता (एजेंसी)। सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के अवैध रूप से निर्मित कार्यालय पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। इस पांच मंजिला दफ्तर को गिराने के लिए तीन मशीनें लगाई गई। अभिषेक बनर्जी का यह दफ्तर अमताला-बारुईपुर रोड पर स्थित है। प्रशासन ने इस इमारत को तोड़ने के लिए पहले भी नोटिस जारी किया था, लेकिन इस पर अभिषक की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद शनिवार को प्रशासन ने इस इमारत को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सांसद अभिषेक बनर्जी के ऑफिस को अवैध निर्माण के आरोप में तोड़े जाने की कार्रवाई शुरू होने के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। इस इमारत के सामने जैसे ही सुबह बुलडोजर पहुंचा, लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ता और टीएमसी कार्यकर्ता भी यहां जमा हो गए। स्थिति तनावपूर्ण होता देख प्रशासन को सुरक्षाकर्मी बुलाने पड़े। सुरक्षा के लिहाज से यहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। इससे पहले प्रशासन ने एक नोटिस चिपकाकर आरोप लगाया था कि यह इमारत बिना मंजूरी के बनाई गई थी। विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से यह कार्यालय बंद था। जिला प्रशासन का दावा है कि यह कार्यालय अवैध रूप से बनाया गया था। कार्यालय के निर्माण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

देश के 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी, लोगों को दी सलाह

तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और खड़ी फ़सलों को पहुंच सकता है नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। आईएमडी के मुताबिक यूपी और बिहार समेत कई राज्यों में तेज हवाओं और आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हो सकती है। तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और खड़ी फ़सलों को नुकसान पहुंच सकता है, जबकि कई इलाकों में बिजली गिरने का भी खतरा है।

मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे आंधी-तूफान में घर के अंदर ही रहें, पेड़ों के नीचे न जाएं। खराब मौसम से प्रभावित इलाकों में परिवहन और बिजली आपूर्ति में रुकावट की संभावना को देखते हुए लोगों को भी सावधान किया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में स्थित मौसम केंद्र ने 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट इसलिए जारी किया गया है, क्योंकि शनिवार से दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ-साथ इस इलाके में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने की उम्मीद है, जिससे पूरे राज्य में व्यापक बारिश होगी।

मौसम केंद्र के निदेशक ने बताया कि शनिवार को मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने की अपील की है, खासकर उन इलाकों में जहां भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा ज्यादा है। इस बीच, आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर के लिए भी चेतावनी जारी की है। इसमें अगले कुछ दिनों में भारी बारिश के साथ-साथ अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव की आशंका जताई गई है। विभाग ने लोगों को शनिवार रात, रविवार सुबह और 20 से 22 जुलाई के बीच बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इस दौरान मौसम के हालात खराब रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने प्रभावित इलाकों के लोगों से मौसम से जुड़ी आधिकारिक जानकारी और सलाह पर बारीकी से नजर रखने को कहा है, क्योंकि मौसम की स्थिति तेजी से बदल सकती है।

आंध्र प्रदेश के बाद महाराष्ट्र में भी कोविड19 की दस्तक, 21 मामले आए सामने

-डॉक्टर बोले-कोविड अब इन्फ्लूएंजा की तरह हमारे बीच रहने वाला है, सावधानी बरतें

पुणे (एजेंसी)। कोरोना वायरस ने करीब तीन साल बाद महाराष्ट्र में एक बार फिर से इसकी दस्तक सुनाई दे रही है। राज्य में विशेषकर पुणे शहर में पिछले 10 दिनों में कोविड के मामले तेजी से बढ़े हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि ज्यादातर मामले हल्के लक्षणों वाले हैं और स्वास्थ्य विभाग या विशेषज्ञों को फिलहाल किसी नई लहर का कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट में राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में इस साल अब तक कोविड-19 के 48 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। करीब तीन सालों तक यह वायरस रडार से बाहर रहा, लेकिन साल 2026 में इसके मामलों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस साल जनवरी में 3, फरवरी में 1, जून में 11 और अब तक जुलाई में 21 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक ज्यादातर पॉजिटिव मामले नियमित कोविड टेस्टिंग के दौरान नहीं मिल रहे हैं। ये मामले तब सामने आ रहे हैं जब मरीज किसी अन्य बीमारी के लिए डॉक्टर की सलाह पर जांच करा रहे हैं या फिर किसी सर्जरी से पहले उनका प्री-ऑपरेटिव फिटनेस टेस्ट किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वायरस अब इन्फ्लूएंजा की तरह बर्ताव कर रहा है। लोगों में इम्युनिटी कम होने और नए वेरिएंट के उभरने के कारण हर एक-दो साल में इसके मामलों में इस तरह का उछाल आना स्वाभाविक है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने बताया कि 2023 के बाद यह पहली बार है जब कोविड के मामलों में इतनी बढ़ोतरी देखी गई है। पिछले 8 से 10 दिनों में कोविड और इन्फ्लूएंजा दोनों के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा संक्रमण ओमिक्रॉन वेरिएंट से भी हल्का है। मरीजों में आमतौर पर खांसी, जुकाम, गले में खराश और थकान जैसे लक्षण दिख रहे हैं, जो 3 से 5 दिनों तक रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय में संक्रमण का वास्तविक आंकड़ा कहीं ज्यादा हो सकता है, क्योंकि हल्के लक्षण वाले बहुत से लोग टेस्ट ही नहीं कराते हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि कोविड अब इन्फ्लूएंजा की तरह हमारे बीच ही रहने वाला है, इसलिए सावधानी जरूर बरतें और लापरवाही न करें। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा स्थिति किसी कोविड लहर जैसी बिल्कुल नहीं है। पहले टेस्टिंग कम होने की वजह से छिटपुट मामलों पर ध्यान नहीं गया। अब चूंकि अन्य रेस्पिरेटरी वायरल इन्फेक्शन बढ़ रहे हैं, इसलिए अस्पतालों में अपर रेस्पिरेटरी पैनल का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है, जिससे कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोविड के 12 मामले सामने आए हैं, जिनमें से चार लोगों की मौत हुई है। अकेले कडप्पा जिले में कोरोना वायरस के आठ मामले दर्ज किए गए। गुंटूर जिले में दो मामले और विशाखापत्तनम व काकीनाडा जिलों में एक-एक मामला दर्ज किया गया। इन पांच लोगों के स्वाब के नमूने जांच के लिए पुणे स्थित नेशनल वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट भेजे गए थे।

राम मंदिर में भर्ती अनियमितताएं: चढ़ावा गिनने वाले 5 कर्मचारी जांच में फेल

अयोध्या(एजेंसी)। भव्य राम मंदिर के संचालन और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार, राम मंदिर में कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण नियमों की अनदेखी की गई है, विशेषकर उन पदों पर जहाँ भक्तों द्वारा अर्पित किए गए चढ़ावे की गिनती का संवेदनशील कार्य किया जाता है। अब यह पुष्टि हुई है कि ऐसे ही कुछ कर्मचारियों को बिना उचित पुलिस सत्यापन के ही नौकरी पर रखा गया था। हालिया जांच में ऐसे पांच कर्मचारी सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त कर दिया गया। यह खुलासा और भी चौंकाने वाला है क्योंकि ये कर्मचारी पिछले दो वर्षों से बिना किसी उचित पृष्ठभूमि जांच के इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दे रहे थे।

जांच अधिकारियों को निगरानी, संचालन और भर्ती जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में भरपूर हीलाहवाली के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं, जिसका प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उल्लेख किया गया है। बीते कुछ दिनों की कार्रवाई पर नजर डालें तो गणना से जुड़े कर्मचारियों के सत्यापन की प्रक्रिया तेजी से जारी है, और इसी क्रम में ये अनियमितताएं सामने आई हैं। गणना कक्ष के कर्मचारियों की संख्या में भी अस्थिरता देखी गई है। कुछ समय पहले वेतन कम होने और काम के घंटे बढ़ने से नाराज होकर 23 कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या घटकर 13 रह गई। हालांकि, उनमें से दो बाद में काम पर लौट आए, जिससे संख्या 15 हो गई। लेकिन इस बीच, पहले से कार्यरत दो कर्मचारियों पर पुलिस केस होने की जानकारी मिलने पर उन्हें कार्य मुक्त कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, शेष कर्मचारियों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होने पर तीन और कर्मचारी जांच में फेल हो गए। इस तरह, वर्तमान में केवल 12 कर्मचारी ही नोट और सिक्कों की गिनती का कार्य कर रहे हैं। कई अन्य कर्मचारी भी कार्रवाई की जद में हैं और उनकी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। सावन मेले से पहले गणना कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए, निजी भर्ती एजेंसी उन पूर्व कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही है जिन्होंने पहले इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके पास कार्य का अनुभव है। हालांकि, अब इन कर्मचारियों का भी कड़ा पुलिस सत्यापन कराया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रक्रिया में भी कई ऐसे कर्मचारी पाए गए हैं जिनके खिलाफ पुलिस केस दर्ज हैं। प्रबंधन ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में केवल सत्यापन में पास होने वाले लोगों को ही नियुक्त किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से मानकों के अनुरूप हो और मंदिर की पवित्रता तथा वित्तीय पारदर्शिता बनी रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप (साउथ आइलैंड) के पश्चिमी तट पर गुरुवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी करते हुए लोगों से तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र ते अनाउ शहर से करीब 42 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था। भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर के आसपास दर्ज किया गया। इसकी गहराई करीब 76.4 किलोमीटर थी। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग बिना देरी किए सुनामी निकासी क्षेत्र से बाहर निकलें और नजदीकी ऊंचे स्थान पर जितना संभव हो सके, अंदरूनी इलाके की ओर चले जाएं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के नागरिक सुरक्षा विभाग ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, फियोर्डलैंड के पास रात 9 बजकर 14 मिनट पर आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद न्यूजीलैंड के तटीय इलाकों में तेज और असामान्य समुद्री लहरें तथा तट पर अचानक पानी बढ़ने जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

बंगाल की खाड़ी में दो नावें डूबीं,500 मौतों की आशंका

रखाइन, एजेंसी। म्यांमार में हिंसा से बचकर भाग रहे 500 से ज्यादा लोगों के समुद्र में लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों के मुताबिक, म्यांमार के तट के पास खराब मौसम में दो नावें गायब हो गई हैं। इनमें सवार ज्यादातर लोग रोहिंग्या समुदाय के थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी) ने संयुक्त बयान में बताया कि दोनों नावें जून के आखिर में म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। पहली नाव में करीब 250 लोग सवार थे। रवाना होने के कुछ ही समय बाद इससे संपर्क टूट गया। दूसरी नाव में करीब 280 यात्री सवार थे और माना जा रहा है कि वह 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूब गई। रोहिंग्या म्यांमार के रखाइन राज्य का एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है। दशकों से यह समुदाय सरकारी उत्पीड़न, हिंसा और भेदभाव का सामना कर रहा है। म्यांमार की बौद्ध बहुसंख्यक सरकार और वहां के स्थानीय लोग रोहिंग्याओं को म्यांमार का मूल निवासी नहीं मानते। उनका दावा है कि ये लोग ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बांग्लादेश (तत्कालीन बंगाल) से आए अवैध अप्रवासी हैं। उन्हें अधिकारिक तौर पर 'बंगाली' कहकर पुकारा जाता है। रोहिंग्या समुदाय का कहना है कि वे रखाइन क्षेत्र में आठवीं सदी या उससे भी पहले से रह रहे हैं और वे वहीं के मूल निवासी हैं। साल 1982 में रोहिंग्याओं को नागरिकता देने से इनकार कर दिया गया। इसके कारण वे बिना किसी देश के नागरिक बन गए। उन्हें बुनियादी अधिकार जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और शादी करने तक की आजादी नहीं है। करीब 12 लाख रोहिंग्या फिलहाल बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। ये लोग म्यांमार की सेना की हिंसा से बचकर वहां पहुंचे थे। हाल के वर्षों में अमेरिका और अन्य देशों की विदेशी सहायता में कटौती के कारण इन शिविरों में खाद्य राशन भी कम कर दिया गया है। रोहिंग्या शरणार्थियों के पास सुरक्षित तरीके से म्यांमार लौटने का कोई रास्ता नहीं है। 2017 में म्यांमार की सेना पर रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा करने के आरोप लगे थे, जिसे कई देशों ने नरसंहार (जेनोसाइड) माना है। जो रोहिंग्या अब भी म्यांमार में रह रहे हैं, उन्हें कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से कई लोग नजरबंदी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इमरान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने पर पीटीआई करेगी विरोध प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने पांच अगस्त को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। यह प्रदर्शन उनके नेता के जेल में तीन साल पूरे होने के मौके पर किया जाएगा। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन पांच अगस्त से शुरू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक उनके नेता को रिहा नहीं किया जाता।

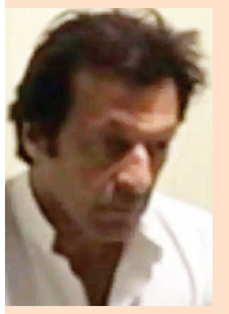

इस दौरान देशभर में रैलियां निकाली जाएंगी। तीन वर्ष से जेल में बंद हैं इमरान खान इमरान खान (73) इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में कड़ी कारावास में बंद हैं। उन्हें पांच अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की एक निचली अदालत द्वारा तोशाखाना केस में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराने के बाद गिरफ्तार किया था। उन्हें कई अन्य मामलों में भी गिरफ्तार किया गया और दोषी ठहराया गया, जिसकी वजह से वह लगातार जेल में हैं। पार्टी के महासचिव सलमान अकरम राजा ने अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से कहा, पांच अगस्त को खान के जेल में बंद होने के तीन साल पूरे हो जाएंगे।

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन:ट्रक से भिड़ंत, कर्मचारियों ने पैदल भागकर जान बचाई; घटना का वीडियो वायरल

ओंटारियो, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है, 'आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं।' यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी। सीएन रेलवे के अनुसार, घने धुएं के बीच एक ट्रक आग की चपेट में आ गया और ट्रेन से टकरा गया। इसके बाद सभी कर्मचारी पैदल ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हालांकि, किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई।

कनाडा में जंगल की आग से जुड़े 3 फोटोज : कनाडा में 838 जगहों पर आग लगी : घटना के बाद सीएन रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है। कनाडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, इस समय पूरे कनाडा में 838 जगहों पर जंगलों में आग लगी हुई है। वहीं अमेरिका की सीमा से लगे मिनेसोटा राज्य में भी एक दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग जल रही है। इसकी वजह भीषण गर्मी, सूखा और तेज हवाएं बताई गई हैं। प्रदेश में करीब 150 जगहों पर जंगल की आग जल रही हैं। कई समुदायों में अनिवार्य निकासी के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में प्रतिबंधित अग्नि क्षेत्र लागू कर दिया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा आपातकालीन जरूरत का सामान तैयार रखने की अपील की है।

कनाडा का टोरंटो दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना : कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो शहर में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और बाहर निकलने पर ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचने की सलाह दी। वैश्विक एयर क्वालिटी पर नजर रखने वाली कंपनी आईक्यूएयर ने बुधवार को टोरंटो को दुनिया का सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बताया। इस सूची में टोरंटो के बाद किंशासा, दिल्ली, दुबई और यरुशलम का स्थान रहा। खराब हवा के कारण टोरंटो में बुधवार को इंग्लैंड और अर्जेंटीना के विश्व कप मैच के लिए आयोजित खुले मैदान के फैन इवेंट रद्द कर दिए गए। बच्चों के लिए बनाए गए खुले पानी के पूल भी बंद कर दिए गए।

अमेरिका की तरफ बढ़ रहा जंगल का धुआं : उधर जंगलों की आग का धुआं अब अमेरिका की ओर भी बढ़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार से इसका असर अमेरिका के कई इलाकों में दिखाई देना शुरू हो गया है। हालांकि भीषण गर्मी का दौर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है और विस्कॉन्सिन तथा मिनेसोटा राज्यों में जारी हीट वेव की चेतावनी गुरुवार रात तक समाप्त होने की उम्मीद है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि खराब हवा का असर लाखों लोगों पर पड़ेगा। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

कनाडा की पर्यावरण एजेंसी ने चेतावनी दी है कि धुएं के कारण आंखों, नाक और गले में जलन, सिरदर्द और हल्की खांसी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। गंभीर मामलों में सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ या तेज खांसी हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। धुएं का असर अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर तक भी पहुंच गया है। रविवार को न्यू जर्सी में फीफा विश्व कप फाइनल होना है, लेकिन उससे पहले ही न्यूयॉर्क और आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से बाहर ज्यादा मेहनत वाले काम न करने और जरूरत पड़ने पर बीच-बीच में आराम करने की सलाह दी है।

बलूचिस्तान में बीएलए ने उड़ाई पाक सेना की बस; 45 सैनिकों की मौत का दावा, शहबाज-मुनीर के उड़े होश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा स्थिति बेकाबू होती जा रही है। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने मस्तुंग जिले के खडकोचा इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बड़े काफिले पर घातक हमला किया है। संगठन के मुताबिक, इस हमले में 45 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

'फतह स्क्वाड' का खूनी अभियान : बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच के अनुसार, इस हमले को संगठन की विशेष 'फतह स्क्वाड' ने अंजाम दिया है। हमलावरों ने न केवल सैन्य बस को बम से उड़ाया, बल्कि मौके पर पहुंची अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियों के साथ भी घंटों तक खूनी मुठभेड़ की। संगठन का दावा है कि संघर्ष में दर्जनों सैनिक घायल हुए हैं और मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इन मौतों की पुष्टि नहीं की है।

दशकों पुरानी नाराजगी : बलूचिस्तान में जारी इस संघर्ष की जड़ें दशकों पुरानी हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि उनका प्रांत खनिज संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन इस्लामाबाद की सरकार उनके संसाधनों को पंजाब और अन्य प्रांतों के विकास के लिए लूट रही है। बलूच लोग इस लड़ाई को अपनी

आजादी और प्राकृतिक संपदा को बचाने का संघर्ष मानते हैं, जबकि पाकिस्तान इन्हें भारत और अफगानिस्तान समर्थित आतंकी गुट करार देता है। संकट केवल बलूचिस्तान तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (क्क्षछ्य) में भी स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। यहां पाकिस्तान से आजादी की मांग को लेकर विभिन्न हिस्सों से विरोध प्रदर्शनों का कारवां निकल रहा है। इस बढ़ती बगावत को कुचलने के लिए पाकिस्तान सरकार ने क्क्षय में 8,000 अतिरिक्त रेंजर्स की तैनाती की है। पाकिस्तानी सेना या सरकार की ओर से अभी तक इन दावों और मौतों के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट और क्क्षय में जारी विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहा है। इन हमलो ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि संसाधनों की कमी और आंतरिक विद्रोह पाकिस्तान को एक बड़े विखंडन की ओर धकेल रहे हैं।

गणेश के आत्मदाह से हिली नेपाल सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर इन दिनों भारी उबाल है। वजह है 25 साल के एक युवक की दर्दनाक मौत, जिसने सिस्टम की बेरुखी और कर्ज के तनाव में आकर सरेआम खुद को आग के हवाले कर दिया। गणेश नेपाली नाम का यह युवक अब बालेन्द्र शाह सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा चेहरा बन गया है। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि बढ़ते बवाल को देखते हुए चल रहे संसद सत्र तक को स्थगित करना पड़ा है। जेन-जी यानी युवा वोटर्स के भारी समर्थन से महज चार महीने पहले सत्ता में आई बालेन्द्र शाह की सरकार के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा संकट बन गया है। घटना 10 जुलाई की है। गणेश नेपाली एक राइड-शेयरिंग ऐप के लिए बाइक चलाकर अपने परिवार का पेट पालता था। काठमांडू में पासपोर्ट विभाग के बाहर कथित तौर पर रास्ता ब्लॉक करने के आरोप में पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल के पहियों पर क्लैंप लगा दिया। मोटरसाइकिल ही उसकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन थी। इस बात पर उसकी एक अधिकारी से तीखी बहस हो गई और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस की इस कार्रवाई से गणेश इस कदर टूट गया कि उसने अपनी ही बाइक से पेट्रोल निकाला, खुद पर छिड़का और आग लगा ली। 60% से ज्यादा जल चुके गणेश को तुरंत एक टॉप अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जिंदगी और मौत के बीच एक दिन की जंग लड़ने के बाद उसने दम तोड़ दिया। गणेश का परिवार नेपाल के एक बेहद पिछड़े इलाके 'मुगु' से आता है। उसके माता-पिता सीमांत किसान हैं जो सरकारी पेंशन के सहारे गुजर-बसर करते हैं। बड़े भाई मदन नेपाली के मुताबिक गणेश ने यह बाइक लोन पर ली थी और उसकी अगली किस्त की तारीख बेहद करीब थी। पुलिस द्वारा बाइक जब्त किए जाने के बाद उसे किस्त चुकाने और परिवार पालने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, जिससे वह गहरे तनाव में चला गया। दोनों भाई दलित समुदाय से हैं। मदन खुद सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारक होने के बावजूद काठमांडू में मजदूरी करने को मजबूर है। दोनों भाइयों का सपना पैसे जोड़कर खाड़ी देशों और फिर जापान या दक्षिण कोरिया जाने का था। इस घटना के बाद नेपाल में पहले से चल रहे कई विरोध प्रदर्शनों को और हवा मिल गई।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा, चुनाव में सेंधमारी; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाया बड़ा इल्जाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चीन पर बड़ा इल्जाम लगाया है। गुरुवार को ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में एक बार फिर चीन की दखलअंदाजी का दावा किया। उन्होंने इसे साबित करने के लिए कुछ संवेदनशील खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की बात कही है। खास बात यह है कि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावे के बिल्कुल उलट है। खुफिया एजेंसियों ने साफ किया था कि 2020 के चुनावों में चीन की दखलंदाजी के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं।

बता दें कि ट्रंप का यह 25 मिनट का संबोधन आगामी नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन से ठीक पहले आया है। इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के सामने संसद के दोनों सदनों में अपना बहुमत बचाने की बड़ी

चुनौती है। इससे पहले ट्रंप ने चुनावी धांधली को लेकर एक बात फिर बहस छेड़ दी है।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा : डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके द्वारा सार्वजनिक की गई संवेदनशील जानकारियों से पता चलता है कि चीन ने अवैध रूप से 22 करोड़ अमेरिकी मतदाताओं की फाइलें हासिल कर ली थीं। ट्रंप के मुताबिक इन फाइलों में मतदाताओं के नाम, पते और वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाला अन्य डेटा शामिल था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी से जुड़े लोगों ने चीन की इन गतिविधियों की गंभीरता से जुड़ी जानकारियों को जानबूझकर दबाया और छिपाया। ट्रंप के इस भाषण से पहले ही चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू चांग ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ कहा, 'चीन ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में कभी हस्तक्षेप नहीं किया है और न ही कभी करेगा।' हालांकि ट्रंप के इस कदम से दोनों देशों के उन रिश्तों में फिर से खटास आने का खतरा पैदा हो गया है। इससे पहले पिछले साल ट्रेड वॉर के बाद संबंध अभी पटरी पर लौटने के संकेत मिले थे। ट्रंप बीते दिनों व्यापार संबंधों को सुधारने के लिए खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने चीन भी पहुंचे थे। हालांकि अब उनके इस दावे से बात बिगड़ सकती है। दूसरी तरफ, अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने भी ट्रंप का दावा खारिज किया है। हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने कार्यवाहक राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बिल पुल्टे, FBI, CIA और ह्रः के प्रमुखों को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप को चुनावी सुरक्षा के बारे में झूठे दावों का समर्थन करने के लिए खुफिया जानकारियों को हथियार बनाने की अनुमति न दी जाए। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने भी आरोप लगाया कि इसके जरिए ट्रंप सरकार नवंबर के चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश कर सकता है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में दोबारा सत्ता में लौटने के बाद से ही ट्रंप चुनावों पर केंद्रीय नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप हाल के महीनों में सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों पर 'सेव अमेरिका एक्ट' पारित करने का भी दबाव बना रहे हैं।

यूएस की कार्रवाई का ईरान ने दिया करारा जवाब, बहरीन-कुवैत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले, खाड़ी देशों में मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक बार फिर बारूद के ढेर पर बैठा नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी वर्चस्व की जंग ने अब एक खतरनाक मोड़ ले लिया है। कल गुरुवार को अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के उत्तरी क्षेत्रों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पुलों पर भीषण हमले किए जाने के बाद, तेहरान ने भी अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। जवाब में ईरान ने आज शुक्रवार तड़के खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों बहरीन, कतर और कुवैत पर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं।

शांति समझौता टूटा : हैरानी की बात यह है कि अभी कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए एक शांति समझौता हुआ था, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में जारी सैन्य गतिविधियों और एक-दूसरे के खिलाफ अविश्वास ने इस समझौते को चंद दिनों में ही मटियामेट कर दिया। अमेरिका ने बुधवार को ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी फिर से लागू कर दी, जिससे हालात बेकाबू हो गए। अमेरिकी अधिकारियों का तर्क है कि वे ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए हमलों का दूसरा दौर शुरू कर चुके हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, अमेरिकी हवाई हमलों में अब तक भारी तबाही हुई है। दक्षिणी होर्मुजगन प्रांत में पुलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि ताजा अमेरिकी हमलों में अब तक 35 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और 300 से अधिक घायल हुए हैं। ईरान के कई प्रांत जैसे सेमनन, हमदान, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान अमेरिकी हमलों की जद में आए हैं। बंदर अब्बास शहर के रिहायशी इलाकों और रेलवे जंक्शन पर हुए हमलों में भी कई लोग घायल हुए हैं।

ईरान ने दी बुनियादी ढांचे पर हमले की धमकी : ईरानी सेना के कर्नल इब्राहिम ज़ोलफ़गारी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान की अभेद्य 'रेड लाइन' है और इसमें किसी भी विदेशी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरान ने धमकी दी है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर उनके बिजली संयंत्रों या पुलों पर हमले जारी रहे, तो ईरान पूरे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमला करेगा। इससे पहले होर्मुज के बंद होने से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा जा चुका है। इसी बीच रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों को भी रेड सी के तेल मार्ग को बंद करने के लिए कहा है। यदि मौजूदा तनाव और बढ़ता है, तो दुनिया एक बार फिर भीषण ऊर्जा संकट की चपेट में आ सकती है। फिलहाल, खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और क्षेत्र में युद्ध के बादल घने होते जा रहे हैं।

जेलेंस्की ने किया नेतृत्व में बड़ा बदलाव सेरगी कोरेत्स्की बने यूक्रेन के नए प्रधानमंत्री

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी भयंकर युद्ध के बीच यूक्रेन की राजनीति में एक बहुत बड़ा और बेहद अहम बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सबसे खास और ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज माने जाने वाले 48 वर्षीय सेरगी कोरेत्स्की देश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। गुरुवार को यूक्रेन की संसद में हुए व्यापक मतदान के दौरान 289 सांसदों ने उनकी नियुक्ति को अपनी अंतिम और आधिकारिक मंजूरी दे दी। ऊर्जा क्षेत्र में महारत रखने वाले कोरेत्स्की की यह महत्वपूर्ण नियुक्ति जेलेंस्की सरकार के बड़े और रणनीतिक फेरबदल का एक प्रमुख हिस्सा है। इस बड़े बदलाव का मुख्य मकसद युद्ध के इस मुश्किल दौर में देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को और ज्यादा मजबूत करना है। राष्ट्रपति जेलेंस्की पिछले कुछ महीनों से सरकार के विभिन्न विभागों में लगातार बड़े स्तर पर कई कड़े फेरबदल कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आगामी सर्दियों में युद्ध प्रभावित देश को संभालने के लिए कोरेत्स्की सबसे सही और मजबूत विकल्प हैं। संसद में मतदान से ठीक पहले कोरेत्स्की ने भी देश की सुरक्षा व्यवस्था सुधारने और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया तेज करने की बात मजबूती से कही थी। संसद को संबोधित करते हुए नए प्रधानमंत्री ने सांसदों के सामने अपनी तीन सबसे बड़ी प्राथमिकताओं का विस्तार से खुलासा किया। उन्होंने कहा कि रूस के खिलाफ यूक्रेन की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना उनकी सबसे पहली जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही युद्धग्रस्त देश में वापस आर्थिक

स्थिरता लाना और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया को तेज करना उनका मुख्य लक्ष्य है।

कौन हैं नए पीएम सेरगी कोरेत्स्की : पेशे से इंजीनियर और अर्थशास्त्री सेरगी कोरेत्स्की अब तक किसी भी राजनीतिक दल या सत्ता की राजनीति से पूरी तरह से दूर रहे हैं। उनके पास सरकार चलाने का कोई पूर्व अनुभव नहीं है लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में उनका दो दशक का काम उन्हें खास बनाता है। वह मई 2025 से सरकारी ऊर्जा दिग्गज कंपनी नैफ्तोगाज के सीईओ के रूप में देश का गैस उत्पादन, आयात और वितरण पूरी तरह संभाल रहे थे। इससे पहले वह यूक्रेन की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी उक्रनाफ्टा के प्रमुख पद की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। अपने शुरुआती करियर में कोरेत्स्की ने वेस्टर्न ऑयल ग्रुप का नेतृत्व किया और कॉन्टिनम ग्रुप के सीईओ के तौर पर भी काम किया। उन्होंने देश की प्रमुख ईंधन स्टेशन चेन का भी सफल प्रबंधन किया जिससे उन्हें जमीन स्तर का बहुत अच्छा प्रबंधन अनुभव प्राप्त हुआ। पश्चिमी शहर लुत्स्क में जन्मे इस दिग्गज नेता ने निजी क्षेत्र में भी खूब हाथ आजमाया और अपनी एक सफल कॉफी चेन व्यवसाय भी शुरू किया था।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका में 4 साल की समय सीमा तय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए एक बहुत बड़ा और सख्त फैसला लिया है। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को एक नया अंतिम नियम जारी किया है जिससे पुरानी व्यवस्था खत्म होगी। दशकों पुरानी व्यवस्था के तहत विदेशी छात्र बिना किसी तय अंतिम तारीख के अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन अब उनकी एंट्री सिर्फ एक तय समय सीमा के लिए ही होगी और उन्हें नए नियमों का पालन करना होगा।

इस नए फैसले का सीधा असर भारत समेत पूरी दुनिया से अमेरिका जाने वाले लाखों विदेशी छात्रों पर पड़ेगा। वीजा बढ़ाने के लिए अब छात्रों को केंद्र सरकार की एक अनिवार्य और बहुत ही कड़ी जांच से गुजरना पड़ेगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने बताया कि गैर-आप्रवासी वीजा की कई विशेष श्रेणियों के लिए नए नियम लागू होंगे। इस नियम से इमिग्रेशन सिस्टम में भारी सुधार लाने और वीजा के गलत इस्तेमाल को पूरी तरह रोकने की कोशिश है।

चार साल की समय सीमा : डीएचएस के अनुसार एफ, जे और आई श्रेणियों के लिए लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' व्यवस्था अब खत्म कर दी गई है। विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को अब उनके स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। यह अवधि अब अधिकतम चार साल तक की ही होगी जिससे ज्यादा समय तक कोई भी छात्र वहां नहीं रुक

पाएगा। यह नीति ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक कोशिश का अहम हिस्सा है जिसमें इमिग्रेशन नियमों को सख्त किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और जांच : डीएचएस सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि आधी सदी से चली आ रही पुरानी व्यवस्था ने राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया था। उन्होंने यह भी कहा कि इस पुरानी व्यवस्था की वजह से ही देश में इमिग्रेशन धोखाधड़ी के लिए बहुत सारे रास्ते खुले थे। कई विदेशी छात्र अमेरिका में बिना तय समय सीमा के रहते थे और बार-बार नए कोर्स में दाखिला लेकर बने रहते थे। अब समय सीमा तय होने से सरकार सुनिश्चित करेगी कि लोगों की जांच हो और वे अपनी पढ़ाई के बाद लौट जाएं।

वीजा बढ़ाने की नई प्रक्रिया : 1978 से विदेशी छात्रों को अमेरिका में रहने के लिए कोई तय अवधि नहीं दी जाती थी जिससे वे लंबे समय तक रुकते थे। नए नियम के बाद वीजा बढ़ाने का अधिकार अब शैक्षणिक संस्थानों की जगह सीधे संघीय सरकार के पास चला जाएगा। अगर किसी छात्र को कार्यक्रम पूरा करने के लिए ज्यादा समय चाहिए तो उसे यूएससीआईएस के पास आवेदन करना होगा। इस नई प्रक्रिया में बायोमेट्रिक जांच, सख्त बैकग्राउंड चेक और किसी भी तरह की धोखाधड़ी की पूरी जांच शामिल होगी।

नियम लागू होने की शर्तें : इस नियम के तहत एफ-1 छात्रों के लिए कॉलेज या स्टेटस बदलने के बाद अमेरिका छोड़ने की छूट घटा दी गई है। यह छूट की अवधि पहले 60 दिन थी जिसे अब घटाकर मात्र 30 दिन कर दिया गया है जिससे नियम सख्त हो गए हैं। डीएचएस ने बताया कि यह अंतिम नियम फेडरल रजिस्टर में जल्द प्रकाशित होगा और 60 दिन बाद पूरी तरह लागू होगा। जो विदेशी छात्र पहले से वहां रह रहे हैं उनका प्रवास भी नियम लागू होने की तारीख से चार साल तक सीमित होगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'मुफ्त की मलाई बंद होते ही खाकी का आतंक शुरू'

सूरत में चाय-नाश्ता देने से इनकार करने पर व्यापारी को हिरासत में लेकर 350 से अधिक डंडे मारने का आरोप

साणंद पुलिस स्टेशन में आरोपी को पेड़ से बांधकर पीटा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में कानून के रक्षकों पर ही भक्षक बनने के गंभीर आरोप लगे हैं। लिम्बायत पुलिस स्टेशन के पीएसआई जाडेजा और डी-स्टाफ के पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक स्थानीय होटल संचालक ने सूरत पुलिस आयुक्त को शिकायत देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। व्यापारी का आरोप है कि रोजाना मुफ्त में चाय, मावा और नाश्ता देने से इनकार करने पर पुलिस ने कानून का दुरुपयोग करते हुए उसे रात में दुकान से उठा लिया, जातिसूचक गालियां दीं और पुलिस स्टेशन ले जाकर थर्ड डिग्री टॉर्चर किया। मामला मीडिया में आने और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। डीसीपी डॉ. कानन देसाई ने तत्काल प्रभाव से मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद राज्य के पूर्व डीजीपी ने भी आरोपियों का जुलूस निकालने या उनकी पिटाई करने पर स्पष्ट प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद ऐसे मामलों के सामने आने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

पीड़ित व्यापारी मनोज बाबूराम सरोज ने पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से लिम्बायत क्षेत्र में 'यादव टी सेंटर' नाम से होटल चलाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं।

उनका आरोप है कि लिम्बायत पुलिस स्टेशन की पीसीआर वैन, डी-स्टाफ और अन्य पुलिसकर्मी अक्सर उनकी दुकान पर आकर मुफ्त में चाय, पानी, नाश्ता और मावा ले जाते थे। पुलिस के डर से वह लंबे समय तक यह सब मुफ्त देते रहे। लेकिन जब प्रतिदिन लगभग 600 से 700 रुपये का मुफ्त सामान जाने लगा और आर्थिक नुकसान बढ़ा, तो उन्होंने पैसे मांगने शुरू कर दिए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें कथित रूप से धमकाना शुरू कर दिया।

व्यापारी के अनुसार,13 जुलाई की रात करीब 10:30 से 11:00 बजे वह दुकान बंद कर रहे थे। उनका छोटा कर्मचारी बाहर झाड़ू लगा रहा था और दूसरा बर्तन साफ कर रहा था। तभी बिना नंबर प्लेट वाली रिक्शा और बाइक से डी-स्टाफ के कुछ लोग वहां पहुंचे और बिना किसी कारण कर्मचारी को जबरन बाइक पर बैठाने लगे।

जब मनोज सरोज ने पूछा कि लड़के को क्यों ले जाया जा रहा है, तो पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर कहा कि 'तुम्हें पूछने का कोई अधिकार नहीं है, उसे छोड़ो और उस गल्ले वाले को पकड़ो।'

हालांकि, आसपास लगे अन्य कैमरों और स्थानीय लोगों के मोबाइल फोन में पुलिसकर्मियों के हाथ में डंडे लेकर दौड़ने के वीडियो रिकॉर्ड हो गए, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं।

मनोज सरोज ने आरोप लगाया कि उन्हें लिम्बायत पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ कक्ष में ले जाकर फर्श पर उल्टा लिटाया गया। एक पुलिसकर्मी उनके एक पैर पर, दूसरा दूसरे पैर पर चढ़ गया और तीसरे ने उनका मुंह दबा दिया।

इसके बाद उनके पैरों के तलवों और शरीर के पिछले हिस्से पर डंडों से बेरहमी से मारपीट की गई।

मारपीट के कारण व्यापारी के दोनों पैरों में गंभीर सूजन आ गई, खून जम गया और दाहिने पैर के घुटने के नीचे गहरे घाव हो गए।

बाद में उन्हें स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। अस्पताल में उनका एमएलसी (MLC) केस नंबर 14827 दर्ज किया गया, जिसे उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में महत्वपूर्ण चिकित्सीय साक्ष्य बताया है।

हालांकि व्यापारी का आरोप है कि पुलिस सीसीटीवी डीवीआर अपने साथ ले गई, लेकिन गली में डंडे लेकर दौड़ते पुलिसकर्मियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं और मामले ने व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

सबूत मिटाने के लिए डीवीआर निकाल ले जाने का आरोप

व्यापारी का आरोप है कि पुलिस को पता चल गया था कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो रही है। इसलिए डी-स्टाफ के लोग दुकान के अंदर घुसे और जबरन सीसीटीवी का डीवीआर बॉक्स निकालकर अपने साथ ले गए ताकि कोई सबूत न बचे।

10 हजार रुपये लेने और 50 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप

व्यापारी का आरोप है कि जब पुलिस ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने कहा कि दुकान बंद है और पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो रही है। यह सुनते ही पुलिसकर्मी कथित रूप से भड़क गए और लाठियों से उनकी पिटाई शुरू कर दी। जान बचाने के लिए वह गली में भागे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें सड़क पर गिरा दिया और घसीटते हुए दुकान तक ले आई।

डीसीपी डॉ. कानन देसाई ने दिए जांच के आदेश

मामला पुलिस आयुक्त कार्यालय तक पहुंचने के बाद डीसीपी डॉ. कानन देसाई ने तत्काल जांच के आदेश जारी किए हैं। वरिष्ठ अधिकारी वायरल वीडियो और मेडिकल रिपोर्ट सहित उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। पीड़ित व्यापारी ने मांग की है कि संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ लूट, जबरन वसूली और कथित हिरासत में यातना (कस्टोडियल टॉर्चर) जैसे आरोपों में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

सूरत में गोविंदा उत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज, केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल करेंगे नेतृत्व

29वें वर्ष के आयोजन को लेकर गोविंदा मंडलों को परमिट फॉर्म वितरित किए जाएंगे,

प्रत्येक मंडल से दो-दो प्रतिनिधियों को आमंत्रण

सूरत। सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति द्वारा अपने 29वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं नवसारी सांसद सी.आर. पाटिल के नेतृत्व में आयोजित होगी।

समिति के अध्यक्ष गणेशभाई पी. सावंत ने बताया कि 19 जुलाई 2026 (रविवार) सुबह 11:00 बजे आयोजित होने वाली इस बैठक में शहर के विभिन्न गोविंदा मंडलों को परमिट फॉर्म वितरित किए जाएंगे। आगामी गोविंदा उत्सव की तैयारियों और आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

समिति ने सभी गोविंदा मंडलों से दो प्रतिनिधियों तथा प्रत्येक महिला मंडल से दो प्रतिनिधियों से समय पर बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

बैठक का स्थान:
9, अंबानगर, सोसियो सर्कल के पास, उधना-मगदल्ला रोड, सूरत।
संपर्क: 9824130480.

BMCM में 'दीक्षारंभ' ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

इंटीग्रेटेड MBA और MCA के नवप्रवेशित छात्रों का हुआ स्वागत,

विशेषज्ञों ने करियर और प्रोफेशनल स्किल्स पर किया मार्गदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। भगवान महावीर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट (BMCM) में शुक्रवार से नए विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय 'दीक्षारंभ' ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम इंटीग्रेटेड MBA और इंटीग्रेटेड MCA में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन भगवान महावीर यूनिवर्सिटी (BMU) के वाइस चांसलर डॉ. रामाकुमार अंबातिपुडी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के एकेडमिक डीन डॉ. संजय बुच ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए लक्ष्य निर्धारण, प्रोफेशनल स्किल्स के विकास और विश्वविद्यालय में उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

BMCM की डायरेक्टर डॉ. श्वेता कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में MBA एवं MCA विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य और बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, 17 जुलाई तक चलने वाले इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, शिक्षण प्रणाली और भविष्य के करियर अवसरों से परिचित कराना है, ताकि वे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत कर सकें।

सूरत में 5 वर्षीय मासूम को माता-पिता ने ही छोड़ दिया

पहले चौपाटी पर बेसहारा छोड़ा-फिर पुलिस थाने में गुमशुदगी की झूठी कहानी गढ़ी, जांच में खुला दंपति का खेल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के वराछा क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक सगी मां और सौतेले पिता ने अपने 5 वर्षीय मासूम बेटे को बोझ समझकर करीब सात महीने पहले चौपाटी पर लावारिस हालत में छोड़ दिया था। बाद में पुलिस से बचने के लिए उन्होंने बच्चे के लापता होने की झूठी कहानी गढ़ दी। हालांकि, वराछा पुलिस की सतर्कता और सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने मासूम बच्चे को कतरगाम स्थित चिल्ड्रन होम से सुरक्षित बरामद कर लिया और षड्यंत्र रचने वाले माता-पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, वराछा के जगदीशनगर गली नंबर-3 निवासी रवि द्वारकाप्रसाद जाटव (30) और उनकी पत्नी दुर्गादेवी वराछा पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने रोते हुए पुलिस को बताया कि उनका 5 वर्षीय बेटा अमन 16 जुलाई 2026 की शाम करीब 6 बजे घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गया। लेकिन दंपति की बातों और हावभाव पर पुलिस को संदेह हुआ, जिसके बाद मामले की गहराई से जांच शुरू की गई।

बच्चे के लापता होने की गंभीरता को देखते हुए वराछा पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर ए.आर. वाला तत्काल सक्रिय हो गए। उन्होंने सर्विलांस स्टाफ के पीएसआई वी.डी. माली और उनकी टीम को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के निर्देश दिए। पुलिस ने करीब 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच में दंपति के दावे की पुष्टि करने वाला कोई सबूत नहीं मिला, जिससे पुलिस का शक और गहरा हो गया।

कड़ी पूछताछ के दौरान आखिरकार दंपति टूट गया और चौंकाने वाला सच सामने आया। 5 वर्षीय अमन, दुर्गादेवी के पहले पति राजकुमार जेठूराम धनवाना का बेटा है। पहले पति से अलग होने के बाद दुर्गादेवी ने रवि जाटव से दूसरी शादी की थी। सौतेला पिता रवि और सगी मां दुर्गादेवी बच्चे को अपने साथ रखना या उसका पालन-पोषण करना नहीं चाहते थे। दोनों ने उसे बोझ समझकर हमेशा के लिए छोड़ देने की साजिश रच ली। पुलिस के अनुसार, दूसरे विवाह के बाद दंपति बच्चे को बोझ मानने लगा था। जब लोगों ने बच्चे के बारे में पूछताछ शुरू की तो कानूनी कार्रवाई के डर से उन्होंने गुमशुदगी का झूठा नाटक रचा।

आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने 1 दिसंबर 2025 को अमन को वराछा के जगदीशनगर चौपाटी पर लावारिस हालत में अकेला छोड़ दिया था। हाल ही में जब लोगों ने दुर्गादेवी से बच्चे के बारे में सवाल पूछने शुरू किए तो सच्चाई सामने आने के डर से दंपति ने बच्चे के हाल ही में गायब होने की झूठी कहानी बना ली।

दंपति की स्वीकारोक्ति के बाद वराछा पुलिस ने तुरंत रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न चिल्ड्रन होम में तलाश शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि चौपाटी से लावारिस अवस्था में मिले मासूम अमन को सूरत के कतरगाम स्थित 'वी.आर. पोपावाला चिल्ड्रन होम केयर' में सुरक्षित रखा गया है।

मासूम बच्चे को असुरक्षित अवस्था में छोड़ने और पुलिस को गुमराह कर झूठी सूचना देने के आरोप में वराछा पुलिस ने रवि द्वारकाप्रसाद जाटव और उनकी पत्नी दुर्गादेवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 93 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्वाई शुरू कर दी है।

नई सिविल अस्पताल के मरीजों की सुविधा के लिए के.पी. ग्रुप ने 3 गोल्फ कार भेंट कीं

अस्पताल के मरीजों और स्टाफ की आवाजाही के लिए 8-सीटर की दो तथा 6-सीटर की एक गोल्फ कार सेवा में समर्पित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना ब्यूरो, सूरत 7 शनिवार:राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुलभाई पानशेरिया की नई सिविल अस्पताल की आकस्मिक यात्रा के बाद मरीजों की सुविधाओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सिविल अस्पताल परिसर में कोविड बिल्डिंग और किडनी बिल्डिंग के बीच लगभग एक किलोमीटर की दूरी होने के कारण हजारों मरीजों, उनके परिजनों, डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नर्सिंग एसोसिएशन के अग्रणी इकबाल कड़ीवाला ने सूरत के उद्योगपति तथा के.पी. ग्रुप के फारूकभाई पटेल के साथ समन्वय स्थापित किया। इसके परिणामस्वरूप के.पी. ग्रुप ने नई सिविल अस्पताल को मरीजों और स्टाफ की सुविधा के लिए 3 नई गोल्फ कार भेंट कीं, जिन्हें मरीजों की सेवा के लिए समर्पित किया गया।

इससे पहले केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर भी नई सिविल अस्पताल को 2 गोल्फ कारें भेंट की गई थीं। अब इन तीन नई गोल्फ कारों के जुड़ने से कुल वाहनों की संख्या बढ़ गई है।

के.पी. ग्रुप के फारूकभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई इन गोल्फ कारों का लोकार्पण चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पारुल वडगामा, आरएमओ डॉ. केतन नायक, डॉ. लक्ष्मण तहेलाणी तथा नर्सिंग एसोसिएशन के अग्रणी इकबाल कड़ीवाला के हाथों किया गया। इनमें 8-सीटर की दो गोल्फ कार और 6-सीटर की एक गोल्फ कार मरीजों की सेवा के लिए समर्पित की गई।

इस नई सुविधा के शुरू होने से सिविल अस्पताल परिसर में चल रहे नए भवन निर्माण कार्य के कारण उत्पन्न होने वाली आवाजाही और ट्रैफिक संबंधी समस्याओं में काफी राहत मिलेगी तथा हजारों मरीजों और स्टाफ के लिए एक भवन से दूसरे भवन तक पहुंचना अधिक आसान होगा।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मरीजों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए आने वाले समय में परिवहन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। सूरत का के.पी. ग्रुप नई सिविल अस्पताल में जनहित और सेवा से जुड़े ऐसे कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पारुल वडगामा, आरएमओ डॉ. केतन नायक, नर्सिंग एसोसिएशन के अग्रणी इकबाल कड़ीवाला, मेडिकल ऑफिसर डॉ. लक्ष्मण तहेलाणी, डॉ. निशा चंद्रा एवं डॉ. भरत चावड़ा, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट निरजा पटेल, नर्सिंग एसोसिएशन के निलेश लाठिया सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, यूनिट हेड, मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग एसोसिएशन की टीम तथा सुरक्षा अधिकारियों ने उपस्थित रहकर इस सेवा कार्य की सराहना की।